www.tamsasanket.com
वर्ष: 30|| अंक 46 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
07 मई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:25
सूर्यास्तः 06:42
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 22°00

विशेष समाचार | भाजपा ने टीएमसी के साथ ... >> पेज 04 | सिपाही के शव से लिपटकर ... >> पेज 06 | ममता बनर्जी की हार पर ...

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना, जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद PM नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम को बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के पावन अवसर पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया।

>> (शेष पेज 06 पर)

26 जनवरी 2026 को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान संस्कृति मंत्रालय की झांकी की तस्वीर।

> अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तो पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'। दिशा-निर्देशों में आगे यह भी स्पष्ट किया गया है कि दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें।

कानून में बदलाव और सजा का प्रावधान

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है। संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे।

सरकार ने जारी की गाइड लाइन

केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की। गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए।

इनमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह और ऐसे समारोहों में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं।

> 1947 में देश आजाद होने के बाद चुनौतियां बदलीं, प्राथमिकताएं बदलीं, लेकिन भारत पर जब-जब संकट आए, देश हर बार वंदे भारत की भावना के साथ आगे बढ़ा। आज भी 15 अगस्त, 26 जनवरी को हर तरफ वह भाव दिखता है।
>
> नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री

- बजट सत्र के समापन पर संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम के सभी छह अंतरों का पाठ किया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान भाजपा ने वंदे मातरम को बंगाली अस्मिता और राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में पेश किया था। पार्टी ने इसके 150 वर्ष पूरे होने पर राज्यभर में सामूहिक गायन और पदयात्राओं का आयोजन किया।साथ ही, बंकिम चंद्र चटर्जी की विरासत को भी चुनावी अभियान में प्रमुखता से उठाया गया।

वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह

गृह मंत्रालय ने स्कूल-कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया है।इस कदम का उद्देश्य स्टूडेंट्स और आम जनता के बीच राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जागरूकता और सम्मान को प्रोत्साहित करना है। यह भी बताया गया है कि जब वंदे मातरम का प्रदर्शन किसी बैंड द्वारा किया जाता है, तो उससे पहले ढोल की थाप या बिगुल की ध्वनि से औपचारिक रूप से गायन की शुरुआत का संकेत दिया जाना चाहिए।

सिनेमा
हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए छूट

मंत्रालय ने सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट छूट प्रदान की है। निर्देश के अनुसार, फिल्म के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में वंदे मातरम बजाए जाने पर दर्शकों को खड़े होने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि मनोरंजन स्थलों में दर्शकों को खड़े होने के लिए मजबूर करने से देखने का अनुभव बाधित हो सकता है और संभावित रूप से दर्शकों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। >> (शेष पेज 06 पर)

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से हाईवे डूबा, घरों में पानी

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना। उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को भारी बारिश हुई। इससे कांकेर के चारामा में नेशनल हाईवे-30 पर घुटनों तक पानी भर गया। मनेंद्रगढ़ के जनकपुर में बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। पेंड्रा में आंधी से कई पेड़ टूटकर गिर गए।

यूपी के गाजियाबाद में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश के कारण पूरे यूपी में अधिकतम तापमान 40C से नीचे आ गया है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजस्थान में बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी सभी शहरों में तापमान 40C से नीचे रहा।

इधर, बिहार और मध्य प्रदेश में भी बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे में 89.7 MM बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से 182% अधिक है। राज्य में 7 मई तक आंधी-बारिश जारी रहेगी।

तमिलनाडु में टल सकती है थलापति विजय की शपथ

सरकार बनाने 118 विधायक जरूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी/ तिरुवनंतपुरम/ पुडुचेरी/ चेन्नई/ कोलकाता । तमिलनाडु में 7 मई को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह टल सकता है। TVK चीफ विजय ने बुधवार को लोकभवन में राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सूत्रों के मुताबिक, विजय ने 113 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा है। समर्थन पत्र में TVK 107 और कांग्रेस के 5 विधायकों के हस्ताक्षर हैं। ANI सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने 118 विधायकों के समर्थन के पत्र की मांग की। इस पर विजय ने समर्थन के लिए समय मांगा। 234 सदस्यीय विधानसभा में TVK की 108 सीटें हैं, लेकिन विजय दो सीटों पर जीते हैं, इसलिए एक सीट छोड़ने पर यह 107 रह जाएंगी। कुल सीटें 233 होने पर भी बहुमत 118 ही रहेगा, इसलिए TVK को 11 और विधायक चाहिए।

- टीवीके के पास 113
- बंगाल में 9 मई को भाजपा सरकार की शपथ
- बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा, अब तक 4 की मौत

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला

'देश में वोट की लूट से लोकतंत्र खतरे में'

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी का "दस नंबरी मॉडल" लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोटों की लूट के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने में जुटी है।

लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने कहा कि एक विशेष विचारधारा से जुड़े अधिकारियों, बड़े पूंजीपतियों और ठेकेदारों का गठजोड़ लोकतंत्र के खिलाफ काम कर रहा है और जनता के अधिकारों को छीन रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल और यूपी चुनावों में धांधली के आरोप लगाए, मतगणना प्रक्रिया को लाइव करने की उठाई मांग

अयोध्या और मिल्कीपुर का मुद्दा उठाया

अयोध्या का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार जनता के आक्रोश का परिणाम थी। उन्होंने आरोप लगाया कि हार के बाद सरकार ने मिल्कीपुर में एक बुजुर्ग के घर पर बुलडोजर कार्रवाई कर अन्याय किया।

फास्ट न्यूज

बंगाल में भाजपा को टीएमसी से 32 लाख ज्यादा वोट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को एकतरफा जीत मिली है। भाजपा को 207 और टीएमसी को 80 सीटें मिली हैं। भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस को 2 लाख 60 हजार 13 हजार 377 वोट मिले हैं।

सुनवाई **निर्देश**

सबरीमाला केस, सुप्रीम कोर्ट बोला बार-बार रुख नहीं बदल सकते

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने 40 साल पुरानी जनहित याचिका की वैधता पर सवाल उठाए। यह याचिका दाऊदी बोहरा समुदाय में बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) के अधिकार और उसके संवैधानिक संरक्षण से जुड़ी है। कोर्ट ने कहा कि उसे पुराने फैसले के साथ रहना होगा और वह अपना रुख अचानक नहीं बदल सकता। नौ जजों की संविधान पीठ यह सुनवाई कर रही है।

मुंबई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में आग

नई दिल्ली। मुंबई के अंधेरी ईस्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टी-2 के अंडर-ग्राउंड मेट्रो स्टेशन पर बुधवार शाम 4:10 बजे आग लग गई। अफसरों ने फौरन लोगों को बाहर निकाला और परिसर को खाली कर दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

कीबोर्ड और डेटा अब सेना के नए हथियार : सीएम योगी

उत्तर प्रदेश बनेगा देश की रक्षा का अभेद्य कवच

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रयागराज में आयोजित रक्षा त्रिवेणी संगम (नॉर्थ टेक सिंपोजियम-2026) के समापन समारोह में भविष्य के युद्धों और भारत की रक्षा तैयारियों का एक व्यापक खाका खींचा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल जल, थल और नभ की सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। आज के युग में कीबोर्ड, सैटेलाइट और डेटा नेटवर्क उतने ही प्रभावी हथियार बन चुके हैं जितने कि पारंपरिक मिसाइलें और टैंक। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम अब नए रणक्षेत्र हैं, जहां दुश्मन के संचार और पावर ग्रिड को बाधित करना ही जीत की नई रणनीति है।

- आत्मनिर्भरता की नई उड़ान
- पारंपरिक शौर्य और तकनीक का संगम

>> (शेष पेज 06 पर)

जिस पाकिस्तानी गैंगस्टर के संपर्क में, उसने कल पंजाब में हुए ब्लास्ट की जिम्मेदारी ली थी

यूपी : ब्लास्ट की साजिश रच रहे 2 संदिग्ध आतंकी अरेस्ट

पर्दाफाश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में बुधवार को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड ने पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी देश के संवेदनशील ठिकानों पर सीरियल धमाके और पुलिस टीम पर हमले की साजिश रच रहे थे। आरोपियों में बाराबंकी निवासी 23 साल का दानियान अशरफ और कुशीनगर का रहने वाला 20 साल का कृष्णा मिश्रा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> कृष्णा मिश्रा के फोन में शहजाद भट्टी और आबिद जट के वीडियो मिले, जिनमें किसी वर्दीधारी व्यक्ति को गोली मारकर वीडियो भेजने का टास्क दिया गया था। रेकी का वीडियो भी बरामद हुआ है, जिसमें दोनों हैंडलर्स ने कृष्णा और उसके दो साथियों को यह टास्क सौंपा था।

इंस्टाग्राम के जरिए स्लीपर सेल बना रहा आतंकी संगठन

एटीएस के प्रवक्ता ने बताया, जानकारी मिली थी कि पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम के जरिए भारतीय युवाओं को फुट सोल्जर और स्लीपर सेल के रूप में भर्ती कर रहे हैं। पूछताछ में पता चला कि आरोपी दानियाल और कृष्णा पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। उनके फोन में शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के नंबर थे। इनके पास से वीडियो कॉल, वॉइस नोट्स, व्हाट्सएप चैट और देश-विरोधी बातचीत के सबूत मिले हैं। पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के निर्देश पर इन युवाओं को अमीर बनने का लालच देकर कट्टरपंथी बनाया जा रहा था। इनका मकसद संवेदनशील संस्थानों, पुलिस थानों, चौकियों और पुलिसकर्मियों पर हमला कर देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को खतरे में डालना था।

कृष्णा अपने माता-पिता का इकलौता बेटा

कृष्णा मिश्रा के पिता का नाम छोटेलाल मिश्रा है। वह कुशीनगर में थाना जटहन के हरपुर गांव का रहने वाला है। वर्तमान में वह कुशीनगर में ही थाना रविंद्रनगर के बेलवामिश्र में रह रहा था। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। पिता छोटेलाल ने शराब की लत के कारण गांव की पैतृक संपत्ति बेच दी और रविंद्रनगर स्थित अपने हिस्से की जमीन पर घर बनवाया। उसकी मां लाली गृहिणी हैं, जबकि बहन सलोनी की शादी हो चुकी है।

दुःखद : पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे पिता, पत्नी और बच्चों को दी अंतिम विदाई, सऊदी से लौटे पिता ने दिया बयान

5 हत्याओं के बाद परिवार में मातम

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में हुए दर्दनाक हत्याकांड के बाद बुधवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। 2 मई को चार मासूम बच्चों और 3 मई को उनकी मां गौसिया की हत्या के बाद बच्चों के पिता नियाज सऊदी अरब से वापस घर पहुंचे। वह सीधे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने पत्नी का अंतिम दर्शन किया।

पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा। परिजन और स्थानीय लोग भावुक हो गए। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना रहा। पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा। परिजन और स्थानीय लोग भावुक हो गए। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना रहा। नियाज ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज की और आरोपी की तलाश में कई टीमें लगाई गईं। पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान आरोपी ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे मुठभेड़ में मार गिराया। >> (शेष पेज 06 पर)

> मीडिया से बातचीत में नियाज ने बताया कि उन्हें आरोपी आमिर पर पहले से शक था। एक महीने पहले बच्चों के साथ शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था, जिसकी जानकारी उन्होंने परिवार को भी दी थी। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने पुलिस को फोन कर आमिर का नाम बताया था।

आरोपी पर पहले से था शक

मीडिया से बातचीत में नियाज ने बताया कि उन्हें आरोपी आमिर पर पहले से शक था। एक महीने पहले बच्चों के साथ शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था, जिसकी जानकारी उन्होंने परिवार को भी दी थी। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने पुलिस को फोन कर आमिर का नाम बताया था।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे पिता, पत्नी और बच्चों को दी अंतिम विदाई

अम्बेडकरनगर के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में हुए दर्दनाक हत्याकांड के बाद बुधवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। 2 मई को चार मासूम बच्चों और 3 मई को उनकी मां गौसिया की हत्या के बाद बच्चों के पिता नियाज सऊदी अरब से वापस घर पहुंचे। वह सीधे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने पत्नी का अंतिम दर्शन किया।

सरकारी स्कूल में बच्चों से लगवाई गई झाड़ू

अंबेडकरनगर के स्कूल में शिक्षा से खिलवाड़

नाराजगी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । कटेहरी क्षेत्र में स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय से शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां बच्चों को पढ़ाने के बजाय उनसे स्कूल परिसर में झाड़ू लगवाई जा रही है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें यूनिफॉर्म पहने छोटे-छोटे बच्चे हाथों में झाड़ू लेकर स्कूल की सफाई करते दिखाई दे रहे हैं। मामला कटेहरी क्षेत्र की नेनुआ ग्राम सभा स्थित प्राथमिक विद्यालय का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि जिन बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए स्कूल भेजा जाता है, उनसे सफाई करवाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

- शिक्षा व्यवस्था पर सवालः प्राथमिक विद्यालय में बच्चों से कराया गया सफाई कार्य

>> (शेष पेज 06 पर)

ग्रामीण समृद्धि की सशक्त धुरी: बीसी सखी कार्यक्रम से बदलता उत्तर प्रदेश का सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य

'बीसी सखी कार्यक्रम से सशक्त होता उत्तर प्रदेश'

नवाचार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में प्रदेश में ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत "बीसी सखी कार्यक्रम" एक अत्यंत प्रभावशाली और दूरगामी पहल के रूप में उभरा है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को भी अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ कर रहा है। "एक ग्राम पंचायत–एक बीसी सखी" के सिद्धांत पर आधारित यह योजना आज लाखों ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। बीसी सखी (बिजनेस कोरेस्पोंडेंट सखी) कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय सेवाओं से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसके अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षित कर उनके ही गांव में बैंकिंग प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया जाता है।

महिला सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन का सशक्त मॉडल: बीसी सखी कार्यक्रम

बीसी सखी कार्यक्रम ने प्रदेश में वित्तीय समावेशन को नई गति दी

बीसी सखी कार्यक्रम ने प्रदेश में वित्तीय समावेशन को नई गति दी है। वर्तमान में लगभग 40 हजार बीसी सखियाँ सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं, जो गांव-गांव जाकर बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इनके माध्यम से अब तक 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय लेन-देन किए जा चुके हैं। ये सखियाँ नकद जमा-निकासी, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS) के माध्यम से लेन-देन, बैलेंस जांच, बीमा, पेंशन तथा ऋण पुनर्भुगतान जैसी सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। इस पहल से विशेष रूप से उन क्षेत्रों में बड़ा परिवर्तन आया है, जहां पहले बैंकिंग सुविधाएं सीमित थीं और लोगों को छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी।

यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा

यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। इसके अंतर्गत कार्य कर रही महिलाएं आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने के साथ सामाजिक रूप से भी सम्मान प्राप्त कर रही हैं। उदाहरणस्वरूप सुल्तानपुर की प्रियंका मौर्य और लखनऊ की अनीता पाल जैसी बीसी सखियाँ प्रतिमाह औसतन 45 हजार रुपये से अधिक का कमीशन अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब तक बीसी सखियों द्वारा 121 करोड़ रुपये से अधिक का कमीशन अर्जित किया जा चुका है, जो इस योजना की सफलता को दर्शाता है।

> जनपद स्तर पर इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिल रही है। वर्तमान में प्रयागराज प्रथम स्थान पर है, जबकि बरेली और शाहजहांपुर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। यह प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम के बेहतर संचालन को प्रोत्साहित कर रही है।

उत्तर प्रदेश में ओबीसी युवाओं को मुफ्त कंप्यूटर प्रशिक्षण

डिजिटल कौशल से मिल रहा रोजगार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के युवाओं को 'डिजिटल इंडिया' की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक बड़ा अभियान छेड़ रखा है। आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी परिवारों के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए शुरू की गई 'निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना' के शानदार परिणाम सामने आ रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के 29,191 युवाओं ने इस योजना का लाभ उठाकर अपने करियर को नई उड़ान दी है। यह योजना न केवल डिग्री दे रही है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार के वैश्विक अवसर भी प्रदान कर रही है। डिजिटल युग की मांग को देखते हुए सरकार ने भारत सरकार की संस्था 'नीलिट' (NIELIT) से मान्यता प्राप्त कोर्सेज पर ध्यान केंद्रित किया है।

योजना में किसी भी प्रकार के पक्षपात को रोकने के लिए चयन प्रक्रिया को बेहद सख्त और पारदर्शी बनाया गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के निदेशक उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि लाभार्थियों का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति करती है। इच्छुक अभ्यर्थी सीधे आधिकारिक वेबसाइट obcomputertraining.upsdc.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

शादी में गया था परिवार, वकील के घर चोरी

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट इलाके में हाईकोर्ट के एक अधिवक्ता के घर लाखों रुपए की चोरी हो गई। परिवार शादी समारोह में शामिल होने बाराबंकी गया था। इसी दौरान बदमाशों ने सूने मकान का ताला तोड़कर करीब 2 लाख रुपए कैश और सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। घटना राय इन्क्लेव (धांवा) की है। यहां रहने वाले सुरेश कुमार यादव हाईकोर्ट लखनऊ में अधिवक्ता हैं।

समाधान समारोह-2026 के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय के लंबित वादों के निस्तारण का अवसर

लखनऊ । मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के निर्देशन में न्याय को सरल, सुलभ एवं घर-घर तक पहुंचाने की दिशा में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा "समाधान समारोह-2026" का आयोजन किया जा रहा है। सिविल जज (सी०डि०) / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा के द्वारा जानकारी दी गई कि समाधान समारोह का शुभारंभ 21 अप्रैल 2026 से हो चुका है।

मई में 45 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

लखनऊ। लखनऊ में पिछले 4 दिन रुक-रुककर बारिश हुई। कई इलाकों में गरज-चमक के साथ तूफानी आंधी आई। आम समेत अन्य फसलों को नुकसान हुआ। इन सबके बीच लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 10 दिनों तक मौसम अनुकूल बना रह सकता है। तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। 15 मई के बाद तापमान में एक बार फिर बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है।

आईपीएल मैच के दौरान इस्तेमाल होने वाले कैमरे बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के गोमती नगर विस्तार इलाके में सेफ सिटी परियोजना के तहत लगाए गए CCTV कैमरों से जुड़े उपकरण चोरी हो गए। घटना के बाद शहीद पथ पर लगे करीब 40 कैमरे बंद हो गए हैं, जिससे ट्रैफिक मॉनिटरिंग और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कैमरा की देखरेख करने वाली संस्था के कर्मचारी विनोद यादव ने गोमती नगर विस्तार थाने में दी तहरीर में बताया कि लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अंतर्गत शहीद पथ पर पोल और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। 25 अप्रैल की रात करीब 10:49 बजे अज्ञात चोर पोल माउंट से स्विच, बैटरी और यूपीएस समेत अन्य उपकरण निकाल ले गए। चोरी हुए सामान की कीमत करीब 1.25 लाख रुपए है।

इन कैमरों का इस्तेमाल यातायात पुलिस द्वारा वाहनों की निगरानी और आईपीएल मैचों के दौरान ट्रैफिक मैनेजमेंट में किया जाता था। महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए भी कैमरे अहम भूमिका निभा रहे थे। उपकरण गायब होने से फिलहाल कैमरे बंद पड़े हैं। पुलिस ने मामले इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे अन्य कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि चोरी करने वालों की पहचान की जा सके।

■ सीसीटीवी के उपकरण चोरी, लखनऊ में सेफ सिटी के तहत लगे थे एफआईआर दर्ज

सोनभद्र लाइमस्टोन ब्लॉक-ए की ई-नीलामी हेतु एन आई टी जारी

लखनऊ । सचिव एवं निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग उत्तर प्रदेश श्रीमती माला श्रीवास्तव द्वारा अवगत कराया गया है कि जनपद सोनभद्र स्थित डाला कजरहट लाइमस्टोन ब्लॉक-ए (क्षेत्रफल 161 हेक्टेयर) को खनन पट्टे के परिहार के उपरांत ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से व्यवस्थापित किए जाने हेतु Notice Inviting Tender आज दिनांक 06 मई 2026 को निर्गत की गई है। इस ब्लॉक में लगभग 79.20 मिलियन टन चूना पत्थर का भंडार आंकलित है, जिसमें CaO (कैल्शियम आक्साइड)की औसत मात्रा 41.98 प्रतिशत है, जो सीमेंट उद्योग हेतु कच्चे माल (Raw Material) के रूप में उपयोग के लिए उपयुक्त है। इस ब्लॉक की ई-नीलामी से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा तथा राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। साथ ही, यह पहल प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने, खनन क्षेत्र के विकास को गति देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में सहायक सिद्ध होगी।

बाबा साहब के जीवन मूल्यों से रूबरू हो सकेंगे लोग

अम्बेडकर स्मारक में शुरू हुआ लाइट एंड साउंड शो

तमसा संकेत, संवाददाता

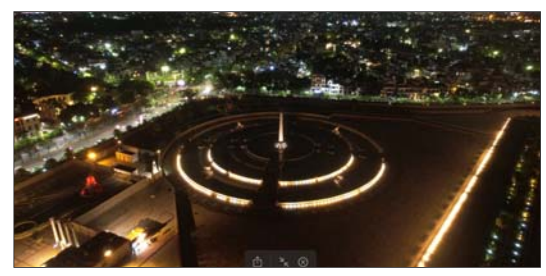

लखनऊ। गोमती नगर स्थित डॉ0 भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में अब आगंतुकों को एक नए और प्रेरणादायक अनुभव का अवसर मिलेगा। मंगलवार से यहां लाइट एंड साउंड शो का शुभारम्भ किया गया है। जिसके माध्यम से संविधान निर्माता व भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके आदर्शों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि स्मारक समिति द्वारा लगभग 18.40 करोड़ रूपये की लागत से अम्बेडकर स्मारक में लाइट एंड साउंड शो का कार्य कराया गया है। यह आधुनिक तकनीक पर आधारित शो बाबा साहब के बचपन से लेकर संविधान निर्माण तक के सफर को रोचक दृश्यों, प्रकाश और ध्वनि के माध्यम से जीवंत करता है। दर्शक इस प्रस्तुति के जरिए उनके सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रति समर्पण को करीब से समझ सकेंगे। उन्होंने बताया कि लाइट एंड साउंड शो का उद्देश्य नयी पीढ़ी को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के विचारों और मूल्यों से जोड़ना है, ताकि समाज में समानता और जागरूकता का संदेश और अधिक प्रभावी ढंग से प्रसारित हो सके। स्मारक में आने वाले पर्यटक अब न केवल इसकी भव्यता का अनुभव करेंगे, बल्कि इस शो के माध्यम से इतिहास और प्रेरणा से भी रूबरू हो सकेंगे। यह पहल सांस्कृतिक एवं शैक्षिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उपाध्यक्ष ने बताया कि 25 अप्रैल से लाइट एंड साउंड शो का ट्रायल रन कराया जा रहा है। जिसे अब प्रतिदिन शाम 7:30 बजे से आगंतुकों के लिए नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। बाबा साहब के जीवन संघर्ष पर तैयार की गयी लघु फिल्म में देश के नामचीन वाइस ओवर आर्टिस्ट हरीष भिमानी ने आवाज दी है, जोकि मशहूर टेलीविजन सीरियल महाभारत में समय की आवाज बने थे।

06 प्रोजेक्टर किए गए हैं स्थापित

उपाध्यक्ष ने बताया कि लाइट एंड साउंड शो के अंतर्गत बाबा साहब के जीवन पर आधारित 30 मिनट की फिल्म एवं देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये जाएंगे। जिसके लिए 06 प्रोजेक्टर स्थापित किये गये हैं, प्रत्येक प्रोजेक्टर 30,000 ल्यूमेन्स क्षमता का हैं। इससे दर्शकों को उच्च गुणवत्ता के दृश्य देखने को मिलेंगे।

गोमती बैराज ब्रिज डेढ़ महीने बंद रहेगा

4 जर्जर गेट बदले जाएंगे, ट्रैफिक पुलिस रूट डायवर्जन प्लान बना रही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में गोमती बैराज (समता मूलक चौक से बालू अड्डा की तरफ) के 4 जर्जर गेटों को अब बदला जाएगा। इसके लिए ब्रिज को करीब डेढ़ महीने के लिए बंद कर दिया जाएगा। सिंचाई विभाग ने बैराज ब्रिज को 7 मई से 15 जून तक बंद रखने का फैसला लिया है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को पत्र भेजकर डायवर्जन लागू करने की मांग की गई है।

दरअसल, गोमती बैराज को अब हाईटेक बनाने की तैयारी चल रही है। गंगा बैराज की तर्ज पर यहां भी मैन्युअल सिस्टम खत्म कर कंप्यूटराइज्ड कंट्रोल सिस्टम लागू किया जाएगा। इसके तहत बैराज परिसर में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जहां से सभी गेट एक क्लिक से खोले और बंद किए जा सकेंगे। परियोजना पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

सिंचाई विभाग के मुताबिक, गोमती बैराज पर लगे 9 गेट अपनी तय उम्र पूरी कर चुके हैं। इनमें से 2 गेट बदले जाने का काम लगभग पूरा हो चुका है, जबकि 4 और गेट बदलने की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए बरेली स्टोर से जरूरी सामग्री उपलब्ध कराने की स्वीकृति भी जारी हो चुकी है।

अधिकारियों का कहना है कि भारी मशीनरी, मरम्मत कार्य और सुरक्षा कारणों से बैराज ब्रिज पर आम वाहनों की आवाजाही रोकना जरूरी है। इसी वजह से 7 मई से 15 जून तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करेगी ताकि लोगों को कम से कम परेशानी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि कंप्यूटराइजेशन और नए गेट लगने से गोमती नदी के जल प्रबंधन में बड़ा सुधार होगा। बरसात के दौरान जलस्तर बढ़ने पर गेट तुरंत खोले जा सकेंगे, जिससे शहर के निचले इलाकों में जलभराव का खतरा कम होगा। साथ ही बैराज की निगरानी भी अधिक सटीक और तेज हो सकेगी।

> अधिकारियों के अनुसार, 7 मई से गेट बदलने का काम शुरू होगा, जिस पर करीब 5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके बाद केवल एक गेट को छोड़कर बाकी सभी गेट नए और पूरी तरह कार्यशील हो जाएंगे।

अभी प्लेटफॉर्म पर चढ़कर खोलने पड़ते हैं गेट

फिलहाल बैराज के गेट खोलने और बंद करने की व्यवस्था पूरी तरह मैन्युअल है। ऑपरेटर को प्लेटफॉर्म पर चढ़कर एक-एक गेट संचालित करना पड़ता है। इसमें समय भी ज्यादा लगता है और जोखिम भी बना रहता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद सभी गेटों की मोटरों को केंद्रीकृत सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इससे कंट्रोल रूम से ही पूरा संचालन संभव होगा।

उपखनिज परिवहन में पारदर्शिता हेतु प्रदेशव्यापी विशेष अभियान तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में उपखनिजों के अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से सचिव एवं निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश श्रीमती माला श्रीवास्तव के निर्देश पर निदेशालय स्तर से दिनांक 01 मई से 03 मई तक विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया।

अभियान के दौरान व्यापक जांच में अधिकांश वाहन वैध परिवहन प्रपत्रों के साथ संचालित होते पाए गए। वहीं, जिन वाहनों में अवैध परिवहन अथवा ओवरलोडिंग की पुष्टि हुई, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की गई। इस क्रम में प्रदेशभर में कुल 385 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 1 करोड़ 85 लाख रुपये की धनराशि अधिरोपित कर वसूली सुनिश्चित की गई।

श्रीमती माला श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं ओवर-लोडिंग के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इसी क्रम में 06 मई से निदेशालय स्तर से पुनः 20 विशेष टीमें विभिन्न जनपदों के लिए रवाना की जा रही हैं। अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जनपदों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अन्य राज्यों से आने वाले उपखनिजों का परिवहन आईएसटीपी (ISTP) के माध्यम से ही सुनिश्चित कराया जाए तथा किसी भी स्थिति में ओवरलो-डिंग न होने दी जाए।

■ अवैध खनन पर सख्त कार्यवाही : 385 वाहनों पर कार्यवाही, 1.85 करोड़ अधिरोपित

चिंता : जहां भाजपा का उदय होता है, वहां हिंसा, गुंडागर्दी और लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने की शुरुआत होती है: संजय सिंह

देश से प्यार है तो पहले चुनाव बचाओ लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ

तमसा संकेत, संवाददाता

हजारों करोड़ रुपये, एजेंसियों के दुरुपयोग और वोट कटवाने की राजनीति से लोकतंत्र को बंधक बनाया जा रहा हैः संजय सिंह

लखनऊ/नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बंगाल चुनाव परिणाम के बाद सामने आई हिंसा, राजनीतिक हमलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका को लेकर भाजपा, केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और गोदी मीडिया पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने वाली पार्टी को जश्न मनाने, मिठाई बांटने और खुशी मनाने का पूरा अधिकार है, लेकिन चुनाव हारने वालों को पीटना, उनके कार्यालय जलाना, कार्यकर्ताओं को सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर मारना और भय का माहौल बनाना किसी लोकतंत्र में स्वीकार नहीं किया जा सकता। संजय सिंह ने जनता से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि अगर देश से प्यार है तो अब चुप बैठने का समय नहीं है। देश को लोकतंत्र की लूट, चुनावी धांधली और तानाशाही से बचाने के लिए जनता को सड़क से संसद तक आवाज उठानी होगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों की तानाशाही के खिलाफ गांव-गांव जाकर लोगों को संगठित किया था, उसी तरह आज लोकतंत्र, संविधान और निष्पक्ष चुनाव बचाने के लिए देशव्यापी जन आंदोलन खड़ा करने की जरूरत है। संजय सिंह ने कहा कि बंगाल से जो तस्वीरें और दृश्य सामने आ रहे हैं, वे बेहद खतरनाक और लोकतंत्र को शर्मसार करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि पूरा गोदी मीडिया इस हिंसा पर खामोश है और केंद्र की मोदी सरकार भी मौन धारण किए बैठी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या देश बंगाल को मणिपुर बनाना चाहता है? क्या पूरे राज्य में हिंसा फैलाने की तैयारी की जा रही है? उन्होंने कहा कि यही भाजपा का असली चरित्र है। जिन क्षेत्रों में भाजपा का राजनीतिक विस्तार होता है, वहां हिंसा, गुंडागर्दी और लोगों के अधिकारों को कुचलने की राजनीति शुरू हो जाती है।

- **बंगाल चुनाव परिणाम के बाद फैली हिंसा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर संजय सिंह ने उठाए गंभीर सवाल**
- **चुनाव जीतने का अधिकार है, लेकिन विरोधियों को पीटने और कार्यालय जलाने का अधिकार किसने दिया?: संजय सिंह**
- **गोदी मीडिया, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार बंगाल हिंसा पर पूरी तरह खामोश क्यों हैं?:संजय सिंह**

'यह समय निराश होने या घर बैठने का नहीं'

संजय सिंह ने कहा कि यह समय निराश होने या घर बैठने का नहीं है। जब अत्याचार बढ़ता है, तब अत्याचार के खिलाफ लड़ने वालों की संख्या भी बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत के सौ प्रतिशत हिस्से पर भी भाजपा का कब्जा हो जाए, तो क्या उसे गुंडागर्दी करने का लाइसेंस मिल जाता है? क्या देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है और हिटलर का राज आ गया है? उन्होंने कहा कि यह समय तानाशाही के खिलाफ संघर्ष की रणनीति तैयार करने का है।

कौशल विकास से ग्रामीण भारत को मिलेगी नई ऊर्जा : मंत्री कपिल देव

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर होगा फोकस, तकनीकी सुधारों पर भी होगी चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । ग्रामीण भारत के युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आगरा में 7 एवं 8 मई 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा आयोजित यह कार्यशाला दीन दयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल्य योजना 2.0 एवं ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की रणनीतियों पर केंद्रित होगी। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने हेतु कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला न केवल राज्यों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करेगी, बल्कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रोजगारपरकता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को भी नई दिशा प्रदान करेगी। कार्यशाला का आयोजन आगरा स्थित ताज व्यू होटल में किया जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश सहित कुल 9 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों झारखंड, उड़ीसा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, महाराष्ट्र और अंडमान एवं निकोबार—के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। इस दौरान राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं राज्य कौशल विकास मिशन के प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे, साथ ही RSETI प्रायोजक बैंकों के प्रतिनिधि, NAR, NACER एवं NIC के विशेषज्ञ अधिकारी तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे।

■ मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के राष्ट्रीय स्तर के विमर्श से ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और प्रदेश कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ औपचारिक परिचय कार्यक्रम, समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन

नवागत डीएम ईशा प्रिया ने पत्रकारों से किया संवाद

सुझाव

- पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर
- पृष्ठभूमि और प्रशासनिक अनुभव
- जनपद विकास पर फोकस

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में नवागत जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने जनपद के पत्रकारों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से परिचय प्राप्त किया और जिले से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

ईशा प्रिया ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सबसे महत्वपूर्ण है। सभी विभागों को तय समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करना होगा। विकास योजनाओं की नियमित निगरानी की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि जनपद में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आईएएस ईशा प्रिया 2016 बैच की यूपी कैडर अधिकारी हैं। उन्हें अप्रैल 2026 में अम्बेडकरनगर का 35वां जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। वे झारखंड की मूल निवासी हैं और उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 75वीं रैंक हासिल की थी। उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक) की है।

बैठक के अंत में डीएम ने कहा कि जिले के विकास को गति देना प्राथमिकता होगी। इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और नियमित समीक्षा की व्यवस्था की जाएगी।

जनहित समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा

बैठक में जिलाधिकारी ने पत्रकारों की ओर से उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

डीएम ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का उद्देश्य जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। इसके लिए सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए जाएंगे।

पत्रकारों से सहयोग की अपील

जिलाधिकारी ने मीडिया से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि पत्रकार प्रशासन और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं। सही जानकारी और सुझाव विकास कार्यों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

परम फाउंडेशन ने बड़े मंगल पर वृद्ध आश्रम में किया भंडारा

दहीरपुर वृद्ध आश्रम से शुरु हुआ सेवा कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । सामाजिक संस्था परम फाउंडेशन ने जेष्ठ माह के बड़े मंगल के अवसर पर सेवा कार्यों की शुरुआत दहीरपुर स्थित वृद्ध आश्रम में भंडारे के आयोजन से की। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने बुजुर्गों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और उनके साथ भोजन किया।

भंडारे में वृद्ध आश्रम के सभी बुजुर्गों को भोजन उपलब्ध कराया गया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने सेवा भाव के साथ पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। बुजुर्गों के साथ समय बिताकर उनके अनुभव भी सुने गए।

परम फाउंडेशन लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय है। करतोरा स्थित परम पाठशाला के माध्यम से बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। इसके साथ ही पढ़ाई से जुड़े संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

संस्था की ओर से गर्मी के मौसम में बेजुबान जानवरों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा समय-समय पर रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किए जाते हैं।

परम फाउंडेशन पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सक्रिय है। संस्था द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। साथ ही तमसा नदी की स्वच्छता और जागरूकता अभियान भी लगातार जारी हैं।

संस्था के कार्यकर्ता पूरे वर्ष विभिन्न सामाजिक कार्यों में लगे रहते हैं। वृद्धों की सेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में तेज रफ्तार कार पलटी

बाराबंकी । बाराबंकी के दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र में अलियाबाद-रौजागांव मुख्य मार्ग पर देर रात एक कार अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। केन्हौरा पुल के पास हुए इस हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन उसमें सवार चारों लोग सुरक्षित बच गए। यह घटना देर रात करीब 12 बजे हुई जब कार रौजागांव से अलियाबाद की ओर जा रही थी। संतुलन बिगड़ने के कारण वाहन खाई में जा गिरा और पलट गया।

मिशन शक्ति केंद्र पर पति-पत्नी विवाद का हुआ निस्तारण

अम्बेडकरनगर । हंसवर थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति केंद्र पर पति-पत्नी के विवाद का निस्तारण कराया गया। सोमवार को आवेदिका तसलीम फात्मा ने थाना हंसवर में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई थी।शिकायत के अनुसार तसलीम फात्मा और उनके पति रिजवान के बीच पारिवारिक कारणों को लेकर मतभेद और विवाद उत्पन्न हो गया था। मामला बढ़ने पर दोनों के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी। मिशन शक्ति टीम ने मामले में हस्तक्षेप किया। थानाध्यक्ष हंसवर के नेतृत्व में दोनों पक्षों की काउंसलिंग की गई।

अहिरौली बाजार में श्रीराम कथा आज से

अम्बेडकरनगर । अहिरौली बाजार स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में सामूहिक राम कथा का बृहस्पतिवार को शुभारंभ होगा। आयोजन से जुड़े मुकेश मिश्र ने बताया कि यह कार्यक्रम सामूहिक सहयोग से आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाना है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से कथा में शामिल होने की अपील की।कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

जल जीवन मिशन की पाइपलाइन बनी परेशानी, लीकेज से बढ़ी दिक्कतें

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जहांगीरगंज क्षेत्र में जल जीवन मिशन परियोजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। फत्तेहपुर खास इलाके में जगह-जगह पाइपलाइन लीकेज और मरम्मत कार्य के चलते सड़कों की स्थिति खराब हो गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पाइप-लाइन में लगातार लीकेज हो रहा है। इससे पीने के पानी की बर्बादी हो रही है। कई स्थानों पर पानी सड़क पर बहता दिखाई दे रहा है। समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

मरम्मत के नाम पर सड़कों को बार-बार खोदा जा रहा है। इससे मुख्य मार्ग पर गड्ढे हो गए हैं। फत्तेहपुर खास में पानी की टंकी के सामने सड़क पर खुदाई के कारण लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। वाहन चालकों को खास परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खुले गड्ढों और खराब सड़क के कारण दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। रात के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है। लोगों का कहना है कि पाइपलाइन लीकेज को ठीक कर सड़कों की मरम्मत कराई जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके। जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंचाना है। लेकिन क्षेत्र में सामने आ रही समस्याओं के कारण योजना के क्रियान्वयन पर सवाल उठने लगे हैं।

- जहांगीरगंज के फत्तेहपुर खास में सड़कें खोदने से आवागमन प्रभावित

अग्निकांड पीड़ित परिवार को 1.08 लाख की आर्थिक सहायता

दुल्लापुर डोमनेपुर गांव में अग्निकांड के बाद प्रशासन सक्रिय

राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । ग्राम सभा दुल्लापुर डोमनेपुर में हाल ही में हुए अग्निकांड से प्रभावित परिवार को प्रशासन की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की गई। सोमवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया स्वयं पीड़ित के घर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मौके पर पीड़ित भुलई पुत्र चनगू और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने घटना से हुए नुकसान की जानकारी ली और भरोसा दिलाया कि शासन स्तर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु भी मौके पर मौजूद रहीं। उन्होंने सहायता प्रक्रिया से जुड़ी औपचारिकताओं की जानकारी दी और सुनिश्चित किया कि लाभार्थी को समय पर राहत मिले।

जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा की स्थिति में प्रभावित परिवारों को समय पर राहत देना प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगे की आवश्यक सहायता प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाए।

1.08 लाख की सहायता राशि जारी

प्रशासन की ओर से बताया गया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर पीड़ित परिवार के बैंक खाते में कुल 1,08,000 की सहायता राशि पहले ही भेजी जा चुकी है। यह राशि अग्निकांड से हुए नुकसान की भरपाई के लिए दी गई है।

एसपी प्राची सिंह ने की जनसुनवाई शिकायतों के निस्तारण के निर्देश

कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । बुधवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। एसपी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, उत्पीड़न और अन्य शिकायतें सामने आईं। एसपी ने अधिकारियों से कहा कि सभी मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों में अनावश्यक देरी न हो और हर प्रकरण की नियमित समीक्षा की जाए। एसपी ने कहा कि शिकायतों की जांच निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतकर्ताओं से संवाद बनाए रखें और प्रकरण की प्रगति की जानकारी देते रहें। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया गया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। एसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य लोगों को त्वरित राहत देना है और इसके लिए सभी अधिकारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। जिले में नियमित रूप से हो रही जनसुनवाई से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। आमजन अपनी समस्याएं सीधे वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रख पा रहे हैं।

यूपी बोर्ड मूल्यांकन और परीक्षा संचालन के लिए 1.12 करोड़ की धनराशि की मांग

डीआईओएस कार्यालय ने परिषद को भेजा प्रस्ताव

- मूल्यांकन केंद्रवार धनराशि का विवरण
- कर्मचारियों और परीक्षकों के भुगतान में उपयोग
- भुगतान प्रक्रिया जल्द शुरु होने की उम्मीद

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय ने यूपी बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन और संचालन कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से कुल 1 करोड़ 12 लाख 32 हजार 945 रुपये की धनराशि की मांग की है। इसके लिए विस्तृत प्रस्ताव परिषद को भेजा गया है। सबसे अधिक धनराशि जनता इंटर कॉलेज, फतेहपुर बड़ागांव के लिए 28,91,955 रुपये प्रस्तावित की गई है। यह धनराशि मुख्य रूप से परीक्षकों, सहायक कर्मियों और मूल्यांकन कार्य से जुड़े कर्मचारियों के भुगतान के लिए उपयोग की जाएगी। परीक्षा संचालन में लगे कर्मचारियों के मानदेय और अन्य व्यवस्थाएं भी इसी बजट से पूरी की जाएंगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि जैसे ही माध्यमिक शिक्षा परिषद से धनराशि प्राप्त होगी, भुगतान की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया जा रहा है।

मूल्यांकन और परीक्षा संचालन में खर्च का ब्योरा

प्रस्ताव के अनुसार, 81 लाख 86 हजार 300 रुपये मूल्यांकन कार्य के लिए और 30 लाख 46 हजार 645 रुपये परीक्षा संचालन के लिए मांगे गए हैं। यह धनराशि परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न कार्यों में उपयोग की जाएगी।

जिले में इस वर्ष पांच मूल्यांकन केंद्र बनाए गए थे, जहां 18 मार्च से कॉपियों का मूल्यांकन कार्य शुरू हुआ था।

विभिन्न केंद्रों के लिए अलग-अलग बजट प्रस्तावित किया गया है। इसमें शामिल हैं-

सरदार पटेल स्मारक इंटर कॉलेज, लारपुरः 8,71,163 रुपये

बीएन इंटर कॉलेज, अकबरपुरः 9,73,126 रुपये

संत कबीर इंटर कॉलेज, सैदापुरः 1,78,630 रुपये

राम अवध जनता इंटर कॉलेज, बरियावनः 1,66,426 रुपये

न्यौरी बाजार में खुले ट्रांसफार्मर बने खतरा, बकरा करंट से मरा

विद्युत सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । आलापुर तहसील क्षेत्र स्थित न्यौरी बाजार में विद्युत विभाग की लापरवाही से ट्रांसफार्मरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कमजोर बनी हुई है। फेंसिंग और जाली न होने के कारण आए दिन मवेशी करंट की चपेट में आ रहे हैं।

मंगलवार को 100 केवीए ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से एक बकरे की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई पशु करंट लगने से मर चुके हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार मई महीने के पहले सप्ताह में ही इसी ट्रांसफार्मर के पास लगभग आधा दर्जन पशुओं की करंट लगने से मौत हो चुकी है। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत विभाग को कई बार सुरक्षा जाली लगाने की सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने आरोप लगाया कि विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है।

अवर अभियंता प्रशांत तिवारी ने बताया कि ट्रांसफार्मरों के चारों ओर फेंसिंग और जाली लगाने के लिए विभाग को सूचित किया गया है। जल्द ही सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराई जाएगी।

कई स्थानों पर नहीं लगी सुरक्षा जाली

जानकारी के अनुसार जलालपुर मुख्य मार्ग स्थित निबिहावा पोखरा के पास 250 केवीए ट्रांसफार्मर के चारों ओर सुरक्षा जाली और फ्यूज टेस्ट नहीं लगाया गया है। वहीं रामनगर रोड स्थित दूसरे 250 केवीए ट्रांसफार्मर पर भी अधूरी फेंसिंग लगी है।

न्यौरी गांव के पश्चिम दिशा में स्थित 100 केवीए ट्रांसफार्मर पूरी तरह खुले में है। यहां पशुओं के साथ-साथ छोटे बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में बनी हुई है।

वीएचएसएनडी और टीकाकरण सत्र का औचक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । विकासखण्ड अकबरपुर के अरिया बाजार स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र पर आयोजित ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (VHSND) और टीकाकरण सत्र का जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सत्र की व्यवस्थाओं और लाभार्थियों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करना रहा।

निरीक्षण के दौरान एएनएम, आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सत्र स्थल पर मौजूद मिलीं। टीम द्वारा टीकाकरण और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं संचालित की जा रही थीं। व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि ड्यू लिस्ट में शामिल सभी छूटे हुए लाभार्थियों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। लक्ष्य यह रखा गया कि कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला टीकाकरण से वंचित न रहे। सभी गर्भवती महिलाओं का समय से पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही हीमोग्लोबिन और शुगर जांच के लिए जरूरी मशीनें सत्र स्थल पर उपलब्ध रखने को कहा गया। नियमित जांच के जरिए स्वास्थ्य जोखिमों को समय रहते पहचानने पर जोर दिया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को SAM और MAM ग्रोथ चार्ट की पूरी जानकारी रखने और उसका सही उपयोग करने के निर्देश दिए गए। कुपोषित बच्चों की पहचान और निगरानी के लिए यह जरूरी बताया गया।

निरीक्षण : आंधी-बारिश के बाद प्रशासन अलर्ट, नोडल अधिकारियों ने लिया जायजा

गो सेवा संवर्धन दिवस पर 35 गौशालाओं का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । गो सेवा संवर्धन दिवस के अवसर पर जिले के सभी 35 निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों का सघन निरीक्षण किया गया। हाल ही में आई आंधी और बारिश को देखते हुए यह अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर नोडल अधिकारियों ने संबंधित विभागीय टीम के साथ प्रत्येक गौशाला का भौतिक सत्यापन किया। पशु चिकित्सा अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान बीमार और कमजोर गोवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जरूरत के अनुसार मौके पर ही उपचार दिया गया। केयरटेकरों को निर्देश दिया गया कि कमजोर पशुओं पर विशेष ध्यान रखें और नियमित निगरानी करें।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी गौशालाओं में व्यवस्थाएं उच्च स्तर की बनी रहें। गोवंशों के संरक्षण, पोषण और स्वास्थ्य के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी को अनिवार्य बताया। अभियान के तहत जैतपुर खास (भीटी), सिसवां (अकबरपुर), अखलासपुर (रामनगर) और बनगांव समेत विभिन्न स्थानों पर अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इसके अलावा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में गौशालाओं का जायजा लिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि गोवंश संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सभी आश्रय स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। नियमित निगरानी के जरिए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जिले के सभी गो आश्रय स्थलों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है। इसके लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रुम स्थापित किया गया है। किसी भी समस्या की जानकारी मिलते ही संबंधित जिम्मेदारों से संपर्क कर तुरंत समाधान कराया जाता है।

संयुक्त टीम ने परखी व्यवस्थाएं

निरीक्षण में पशु चिकित्सा अधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी, खंड विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिव शामिल रहे। टीम ने आश्रय स्थलों में साफ-सफाई, हरे चारे और भूसे की उपलब्धता, संतुलित पशु आहार और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जांच की। इसके साथ ही गोवंशों के स्वास्थ्य, बीमार पशुओं के उपचार और देखभाल की स्थिति का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया।

पूर्व जिलाध्यक्ष को श्रद्धांजलि, कांग्रेस ने बताया अपूरणीय क्षति

जिला कांग्रेस कार्यालय में शोक सभा आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पूर्व जिलाध्यक्ष राम कुमार पाल के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। हाल ही में सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल ₹छोटू₹ ने किया। सभा को संबोधित करते हुए कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि राम कुमार पाल संगठन के समर्पित और संघर्षशील कार्यकर्ता थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी कार्यकर्ताओं को बिना विचलित हुए काम करने के लिए प्रेरित किया।

अयोध्या से आए नेताओं चेतनारायण सिंह, राजेंद्र प्रताप सिंह, रामदास वर्मा, कृष्ण कुमार पाण्डेय ₹कक्कू₹ समेत अन्य वक्ताओं ने कहा कि उनके निधन से पार्टी को बड़ी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।

बैठक में राम कुमार पाल के संगठनात्मक योगदान और उनके कार्यकाल पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने उन्हें याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। शोक सभा के बाद पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनके आवास पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की।

कार्यकर्ताओं ने दुर्घटना में घायल पूर्व सभासद द्विजेंद्र नारायण शुक्ला का भी हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

सम्पादकीय

ममता का हठ

पश्चिम बंगाल में खुद अपना भी चुनाव हारने के साथ ही बुरी पराजय का सामना करने के बाद ममता बनर्जी का यह कहना राजनीतिक हठधर्मी ही है कि वे मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं देंगी। ऐसा कहकर वे अपनी अलोकतांत्रिक मानसिकता का परिचय देने के साथ ही अपने उस अराजक राजनीतिक व्यवहार को भी रेखांकित कर रही हैं, जिसके चलते उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर होना पड़ा।

वे इसकी जानबूझकर अनदेखी कर रही हैं कि उनके साथ-साथ पराजय का सामना करने वाले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी हार सहजता से स्वीकार कर ली और केरलम के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने तो ऐसा करने के साथ ही अपने पद से इस्तीफा भी दे दिया। लोकतंत्र में ऐसा ही होना चाहिए, लेकिन ममता बनर्जी एक तरह से बालहठ ही नहीं दिखा रही हैं, बल्कि राजनीतिक अपरिपक्वता का भी परिचय दे रही हैं।

राजनीति का लंबा अनुभव रखने वाली ममता बनर्जी इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि यदि वे इस्तीफा नहीं देतीं तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त कर सकते हैं या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश कर सकते हैं। यदि उनके हठ के कारण इसकी नौबत आई तो इससे उनकी फजीहत ही होगी। रह-रहकर संविधान की दुहाई देने वाली ममता बनर्जी जिस तरह इस्तीफा देने से मना कर रही हैं, उसकी मिसाल मिलना कठिन है।

इस्तीफा न देने की जिद करके ममता बनर्जी अपने समर्थकों को यह संदेश देने की नाकाम कोशिश कर रही हैं कि उनके साथ अन्याय हुआ है, लेकिन इस तरह से वे न तो लोगों की सहानुभूति अर्जित कर सकती हैं और न ही अपने खोए हुए जनाधार को वापस पा सकती हैं। उन्हें यह पता होना चाहिए कि लोग सब कुछ तो भूल जाते हैं, लेकिन किसी का अहंकार आसानी से नहीं भूलते।

भाजपा ने टीएमसी के साथ कॉन्ग्रेस और वामपंथी दलों की लुटिया भी डुबो दी

> भाजपा ने संगठन को मजबूत कर एक-एक बूथ पर अलग रणनीति बनाई। बूथ मैनेजमेंट से लेकर वॉर रूम तक पर गृहमंत्री अमित शाह की नजर रही। पार्टी के कैडर तक को यह विश्वास दिलाया कि ममता बनर्जी की सरकार को बदला जा सकता है।

15 साल से बंगाल की सत्ता पर काबिज रहने वाली ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कॉन्ग्रेस के दिन अब लद गए हैं। भाजपा ने जबरदस्त पटखनी देते हुए न सिर्फ टीएमसी को हराया है बल्कि कॉन्ग्रेस और वामपंथी दलों की लुटिया डुबो दी है। ममता से पहले 34 साल तक सीपीएम के नेतृत्व में वामपंथी दलों का शासन यहाँ रहा है। उससे पहले कॉन्ग्रेस का शासन था। भाजपा पहली बार बंगाल में इतिहास रचने जा रही है।

भाजपा के जबरदस्त सफलता का श्रेय पीएम मोदी और अमित शाह की मजबूत रणनीति को जाता है। उन्होंने राज्य की कमान सीधे संभाल कर चुनावी फिजा बदल दी । राज्य बनाम केन्द्र की पॉलिटिक्स करने वाली ममता बनर्जी को मात दी और जनता को बताने में सफल रहे कि केन्द्रीय योजनाओं को ममता बनर्जी सरकार ने लागू नहीं कर राज्य की जनता का नुकसान किया। पीएम मोदी का मजबूत और भरोसेमंद चेहरा आगे कर भाजपा ने जमीन पर जमकर पसीना बहाया। ममता के खौफ का यह आलम था कि जनता उनके खिलाफ बोलने से कतराती थी। उस जनता ने इस बार टीएमसी के गुंडों को हराने का निश्चय किया और ममता की पार्टी के खिलाफ वोट डाला। हालाँकि टीएमसी का जमीन पर नेटवर्क हमेशा मजबूत रहा है, इसलिए चुनाव में टक्कर देखने लायक रही।

जानकारों के अनुसार टीएमसी द्वारा हर बार जनता को डराया धमकाया जाता था। इस बार चुनावों में बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बलों की तैनाती, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। चुनाव को अपेक्षाकृत शांतिपूर्वक और निर्भय मतदान का संकल्प चुनाव आयोग ने पूरा किया। एसआईआर के माध्यम से वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण को लेकर माइग्रेंट यानी प्रवासी बड़ी संख्या में बंगाल पहुँचे। लाखों प्रवासी बंगालियों ने वोट डाला। दिल्ली-एनसीआर ही नहीं कई शहरों से प्रवासी बंगाली नागरिक वापस लौटे। दो चरणों में मतदान के चुनाव आयोग के फैसले ने टीएमसी के फर्जीवाड़े को रोकने में काफी हद तक सफलता पाई। फर्जी नामों के हटने का असर चुनाव के परिणाम पर पड़ा। इसके अलावा पहले के चुनावों में टीएमसी के कैडर एक क्षेत्र से चुनाव होने के बाद दूसरे क्षेत्र में जाकर लोगों को डराते-धमकाते थे और खून खराबा करते थे लेकिन इस बार यह मौका नहीं मिला। भाजपा की जीत में महिला वोटरों का अहम रोल रहा है। महिला सुरक्षा बंगाल में अहम मुद्दा रहा। भाजपा ने संदेशखाली और आरजीकर जैसी घटनाओं को टीएमसी के खिलाफ चुनाव में हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। महिला सम्मान की बात की। इसके अलावा केन्द्रीय योजनाओं को लागू करने और भाजपा द्वारा 3000 रुपए हर महीना महिलाओं को देने का वादा रंग लाया। हालाँकि ममता बनर्जी ने लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं के माध्यम से 1500 रुपए हर महीना महिलाओं को दे रही है। लेकिन, महिला सम्मान और सुरक्षा के साथ-साथ महिला आरक्षण को लेकर टीएमसी का मुखर विरोध महिलाओ को भाजपा के पक्ष में खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई। कुल मिलाकर महिलाओं का आशीर्वाद भाजपा को मिला।

मुस्लिम तुष्टिकरण की टीएमसी की राजनीति ने इस बार हिन्दुओं को जोड़ा। बंगाल में करीब 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। परंपरागत रूप से ये टीएमसी के वोटर हैं लेकिन इस बार कई नए दावेदार मैदान में उतरे थे। एआईएमआईएम और हुमायूँ कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी ने मुस्लिम वोटों में सेंधमारी की। कॉन्ग्रेस और लेफ्ट तो पहले से मौजूद ही थी। चुनाव में हिन्दू वोटरों को एकजुट करने में भाजपा काफी हद तक सफल रही और आक्रामक रणनीति बना कर नए समीकरण पैदा किए। राज्य में करीब 68 फीसदी हिन्दू आबादी है। पिछले 15 साल से टीएमसी के राज में इन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। 15 सालों से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार को जनता बदलना चाहती थी। यही वजह है कि 'परिवर्तन' चाहने वाली बड़ी आबादी ने बाहर आकर चुपचाप भाजपा को वोट डाला। खराब कानून व्यवस्था, बेरोजगारी से परेशान लोगों ने विकास को चुना।

बंगाल चुनाव में इस बार न तो कॉन्ग्रेस और न ही लेफ्ट विकल्प देने की स्थिति में थी। इसलिए जानकार मान रहे हैं कि ममता राज को उखाड़ फेंकने के लिए कॉन्ग्रेस और लेफ्ट के समर्थकों ने भी भाजपा को वोट किया। 24 परगना और उसके आसपास के क्षेत्रों में मतुआ फैक्टर काफी कारगर रहा। सीएए को लेकर इस समुदाय को भाजपा से काफी उम्मीदें हैं। ये लोग भाजपा के वोटर हैं और इन लोगों ने अपने इलाके में भाजपा के पक्ष में हवा बनाने में अहम भूमिका निभाई। स्थानीय मुद्दों के साथ साथ पीएम मोदी के चेहरे पर भरोसे का असर इस बार दिखा। जानकारों के अनुसार पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से शोर, रैलियों और बड़े चेहरों के इर्द-गिर्द घूमती रही है लेकिन 2021 की हार के बाद भाजपा ने अपनी रणनीति को पूरी तरह बदल दिया। इस बार मुकाबला सिर्फ मंच से दिए गए भाषणों का नहीं था। पर्दे के पीछे एक ऐसी टीम काम कर रही थी, जिसने बंगाल की सियासी जमीन पर 'साइलेंट स्ट्राइक' की तैयारी की। यह कोई अचानक हुआ बदलाव नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी और सधी हुई इंजीनियरिंग थी। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने भाजपा की कई कमजोरियों को उजागर किया था। पार्टी में गुटबाजी, बूथ लेवल पर कार्यकर्ताओं की कमी और सिर्फ केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे रहना भारी पड़ा था। कैलाश विजय-वर्गीय के समय पार्टी बढ़ी तो जरूर, लेकिन वह ढांचागत मजबूती नहीं मिल पाई जो टीएमसी जैसे कैडर बेस दल को टक्कर दे सके। इसी कमी को पूरा करने के लिए भाजपा ने तीन दिग्गजों की एक कोर टीम तैयार की। सुनील बंसल, भूपेंद्र यादव और अमित मालवीय। इन तीनों ने मिलकर बंगाल में अनुशासन और माइक्रो मैनेजमेंट का नया अध्याय लिखा।

सुनील बंसल को भाजपा के भीतर एक कुशल संगठनकर्ता माना जाता है। उन्होंने बंगाल में किसी राजनीतिक अभियान की तरह नहीं, बल्कि एक कॉर्पोरेट प्रोफेशनल की तरह काम किया। बंसल का फोकस सुर्खियों पर नहीं था। उन्होंने अपना पूरा ध्यान बूथ कमेटियों को दुरुस्त करने पर लगाया।

रामस्वरूप रावतसरे

मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान से बदल रही उन्नाव की तस्वीर

उत्तर प्रदेश की पावन धरा पर युवाओं की ऊर्जा और उनकी उद्यमिता को नया आकाश प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान' आज एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह योजना मात्र सरकारी आंकड़ा भर नहीं है बल्कि उन हजारों युवाओं के संकल्प की सिद्धि है जिन्होंने अभावों के बीच भी स्वरोजगार का जज्बा पाल रखा था। विशेष रूप से जनपद उन्नाव के संदर्भ में बात करें, तो यहाँ की मिट्टी के सपूतों ने इस योजना का लाभ उठाकर न केवल स्वयं को स्वावलंबी बनाया है, बल्कि अन्य लोगों के लिए रोजगार के द्वार खोलकर एक नए आर्थिक युग का सूत्रपात किया है। मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान का मूल मंत्र युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बन सकें। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले ऋण और तकनीकी मार्गदर्शन ने ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के बीच की उस खाई को पाटने का काम किया है, जहाँ अक्सर पूंजी के अभाव में प्रतिभाएं दम तोड़ देती थीं। उन्नाव में इस अभियान की सफलता की गूँज अब हर गली-मोहल्ले में सुनाई दे रही है, जहाँ के युवा अपनी सफलता की गाथा स्वयं लिख रहे हैं। इसी कड़ी में शिव नगर, उन्नाव के निवासी संतोष कुमार की कहानी अत्यंत प्रेरणादायी है। संतोष ने अपनी उद्यमिता के सफर को गति देने के लिए मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान का सहारा लिया और बैंक ऑफ इंडिया से ऋण प्राप्त कर सोलर पैनल मरम्मत एवं बिक्री का कार्य सुचारु रूप से संचालित करना प्रारंभ किया। आज वे न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानजनक ढंग से कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने अपने साथ पाँच अन्य स्थानीय युवाओं को भी रोजगार प्रदान किया है। वे एक ऐसा उदाहरण हैं जिन्होंने सरकार के सहयोग से अपनी उद्यमशीलता को साकार किया है। इसी प्रकार, उन्नाव के ही रहने वाले नितेश वर्मा ने कोचिंग सेंटर के संचालन हेतु पाँच लाख रुपये का ऋण लेकर शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना शुरू किया है, जिससे वे स्वयं आत्मनिर्भर होकर समाज को शिक्षित करने का पुनीत कार्य कर रहे हैं। उद्यमिता का यह विस्तार केवल तकनीकी या शैक्षणिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कलात्मक क्षेत्रों में भी इसकी गहरी पैठ दिखती है। उन्नाव निवासी मनी सभ्ाकानी ने मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान के तहत बैंक ऑफ इंडिया से ऋण प्राप्त कर एक आधुनिक फोटो स्टूडियो और प्रिंटिंग का कार्य शुरू किया। उन्होंने न केवल डिजिटल फोटोग्राफी में अपनी पहचान बनाई, बल्कि चार अन्य लोगों को भी अपनी इकाई में रोजगार से जोड़ा। उद्यमिता की इसी लहर में स्वास्थ्य और फिटनेस के क्षेत्र को भी नया आयाम मिला है। आदर्श गंज, उन्नाव के कुलदीप कुमार ने फिटनेस के प्रति अपनी रुचि को व्यवसाय में बदलते हुए पाँच लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और एक जिम एवं फिटनेस सेंटर की स्थापना की।

अब इन परिणामों का जो ...

राजेश श्रीवास्तव

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों से कुंद हो गयी विपक्ष की धार

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के आने के बाद एक चर्चा जो बहुत तेज चल रही है वह है विपक्ष की धार की। इन परिणामों को एक मजबूत निष्कर्ष यही है कि अब देश का 72 फीसदी हिस्सा भगवामय हो गया है जबकि विपक्षी एकता का सबसे ताकतवर चेहरा मानी जाने वालीं पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के स्टालिन अपना राज्य तो छोड़िये, अपनी सीट भी नहीं बचा सके। मतलब साफ है कि अब विपक्ष की धार कुंद हो गयी है। विपक्ष का चेहरा बने राहुल गांधी के खाते में भी 99वीं हार दर्ज हो गयी है।

अब इन परिणामों का जो सबसे खास असर देखने को मिलेगा वह अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में देखने को मिलेगा। यहां भी समाजवादी पार्टी उत्साहित तो है लेकिन उसके पास भी बताने और करने के लिए कुछ नहीं है। सिर्फ पिछड़ा और मुसलमानों के जरिये कुर्सी पाने का ताना-बाना बुन रही समाजवादी पार्टी भी इसी अहंकार में है कि भाजपा के खिलाफ नाराजगी उसे जिता देगी लेकिन इन परिणामों की विवेचना करें तो यह भी थोथी कल्पना ही नजर आती है क्योंकि उनके मुकाबिल वो बड़ा चेहरा है जो दूसरे राज्यों में जीत की परिभाषा लिखकर आता है तो अपने राज्य में उसका क्या होगा, यह तो सोचा ही जा सकता है। सार यही है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की गूंज खत्म हो गयी है और आने वाले समय में कांग्रेस और भाजपा यही दोनों बचेंगे। देखा जाये तो जितने भी क्षेत्रीय क्षत्रप है वही कांग्रेस के पतन की कहानी भी लिख रहे हैं, इस लिहाज से देखें तो कांग्रेस अंदरखाने खुश भी होगी। भले ही राहुल भी पराजय का मुंह देख रहे हैं लेकिन जैसे ही क्षेत्रीय क्षत्रपों का वर्चस्व खत्म होगा, कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई होगी। उत्तर प्रदेश में दंभ भर रही समाजवादी पार्टी के लिए अब सबसे बड़ी चिंता यही होनी चाहिए कि अब वह 2027 का चुनाव परिणाम कैसे अपने पक्ष में करेगी, क्योंकि वह ममता बनर्जी का हाल देख चुकी है। तो अब इस उम्मीद के सहारे कि पीडीए उसका भला कर देगा, और लोकसभा के चुनाव परिणामों की तरह उम्मीद करना सावन के अंधे को हरा-हरा दिखना सरीखा ही है। यूपी में विपक्षी गठबंधन की एकता भी भोथरी ही है क्योंकि जब चुनाव आयेगा तो शीट शेयरिंग बड़ा मुद्दा होगा और सपा कांग्रेस को ज्यादा सीटें नहीं देना चाहेगी, यह भी पलीता लगने का एक कारण बन सकता है क्योंकि सपा को लोकसभा में ज्यादा सीटें मिलने का कांग्रेस का साथ बड़ा कारण बना था लेकिन अखिलेश को अब यह सोचना चाहिए कि उनके सामने कौन है, उनका मुकाबला किससे है, उनके सामने देश के 72 फीसद भूभाग पर कब्जा करने वाली पार्टी है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की बात करें तो भाजपा की शानदार जीत भारतीय राजनीति में एक जबर्दस्त बदलाव का संकेत है। यह न केवल तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी, जो आज देश की सबसे कद्दावर महिला नेता हैं, की विदाई का प्रतीक है, बल्कि यह संभवतः क्षेत्रीय दलों और उनकी उप-राष्ट्रवाद तथा स्थानीय सांस्कृतिक पहचान की राजनीति के अंत की शुरुआत भी है। इसलिए, पश्चिम बंगाल का 'भगवाकरण' भाजपा के प्रभाव क्षेत्र में एक और राज्य के जुड़ने से कहीं ज्यादा है। यह एक धार्मिक-राजनीतिक विचारधारा के रूप में 'हिदुत्व' की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। ममता बनर्जी की पार्टी की हार, जिसे तमिलनाडु के कद्दावर क्षेत्रीय नेता एमके स्टालिन और द्रमुक की हार के साथ मिलाकर देखा जाए, इंडिया गठबंधन के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। इसके दो सबसे मजबूत स्तंभ ढह गए हैं, जिससे विपक्ष की पूरी इमारत कमजोर और डगमगाती हुई रह गई है। जाहिर है, अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में इसका असर जरूर दिखेगा, जहां 'इंडिया' गठबंधन के एक और अहम स्तंभ (अखिलेश यादव और उनकी समाजवादी पार्टी) के सामने अब एक मुश्किल चुनौती हैः भाजपा के खिलाफ लड़ाई में अपने कार्यकर्ताओं के गिरते मनोबल को बढ़ाना।

यह संदेश...

अमिताभ नीलम

बंगाल फतह में 'योगी फैक्टर' का जलवा

आक्रामक नैरेटिव ने दिलाई बीजेपी को प्रचंड जीत

पश्चिम बंगाल की सियासत में इस बार जो नतीजे सामने आए, उन्होंने राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया। भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के पीछे कई रणनीतिक परतें रहीं, लेकिन जिस एक चेहरे ने चुनावी माहौल को सबसे ज्यादा धार दी, वह रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। चुनाव प्रचार के दौरान योगी आदित्यनाथ ने बंगाल की राजनीति को सीधे मुद्दों की लड़ाई में बदल दिया। उनके भाषणों में "कानून-व्यवस्था", "महिला सुरक्षा" और "धार्मिक पहचान" जैसे विषय प्रमुखता से उभरे। उन्होंने लगातार ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य में अराजकता और तुष्टिकरण की राजनीति चरम पर है। इस आक्रामक रुख ने भाजपा के कोर वोट बैंक को मजबूती से एकजुट किया। योगी की रैलियों में उमड़ी भीड़ और उनकी तीखी, स्पष्ट भाषा ने कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के "दंगारहित शासन" और "कड़े प्रशासन" के मॉडल को बंगाल के सामने एक विकल्प के रूप में पेश किया। खासकर उन इलाकों में, जहाँ कानून-व्यवस्था और अवैध गतिविधियों को लेकर असंतोष था, यह संदेश तेजी से असरदार साबित हुआ।

> कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और हिंदुत्व के मुद्दों पर सीधी चोट-योगी आदित्यनाथ की रणनीति ने बदला चुनावी माहौल

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, योगी आदित्यनाथ की "निर्णायक नेता" की छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा प्लस पॉइंट बनी। पार्टी ने इस छवि को रणनीतिक तरीके से इस्तेमाल करते हुए यह संदेश दिया कि सत्ता परिवर्तन के साथ ही प्रशासनिक ढांचे में कठोर बदलाव और तेज फैसले देखने को मिलेंगे। यह संदेश उन मतदाताओं तक सीधा पहुँचा, जो लंबे समय से बदलाव की उम्मीद कर रहे थे।

हालांकि, इस जीत का श्रेय सिर्फ एक नेता को देना अधूरा होगा। भाजपा की जमीनी संगठन क्षमता, केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति और स्थानीय मुद्दों पर लगातार काम भी इस सफलता के अहम आधार रहे। फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि योगी आदित्यनाथ ने चुनाव को "भावनात्मक और वैचारिक" स्तर पर नई दिशा दी। राजनीतिक रूप से यह जीत सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है। यह संकेत देती है कि राष्ट्रीय राजनीति में योगी आदित्यनाथ का कद लगातार बढ़ रहा है। आने वाले समय में, खासकर 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में, उनकी भूमिका और भी निर्णायक हो सकती है ।

जरा हटके

पहले कई बार ...

आशिया खातून

घर बैठे खतौनी की प्रमाणित नकल: डिजिटल इंडिया की दिशा में उत्तर प्रदेश का सशक्त कदम

भारत तेजी से डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां शासन और प्रशासन की पारंपरिक प्रक्रियाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है-खतौनी की प्रमाणित नकल को पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध कराना। यह पहल न केवल आम नागरिकों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को भी अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। पहले जहां किसी व्यक्ति को अपनी जमीन से संबंधित खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने के लिए तहसील या कचहरी के कई चक्कर लगाने पड़ते थे, वहीं अब यह प्रक्रिया बेहद सरल हो गई है। लंबी कतारों में लगना, समय की बर्बादी, दलालों का हस्तक्षेप और अनावश्यक खर्च जैसी समस्याएं अब अतीत की बात हो गई हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब कोई भी व्यक्ति अपने घर बैठे, कभी भी, मात्र भूमि का विवरण फीड कर एक क्लिक मे खतौनी की प्रमाणित नकल प्राप्त कर सकता है। इसके बाद 'खतौनी की नकल' विकल्प का चयन कर उन्हे अपने जिले, तहसील और ग्राम की जानकारी भरनी होती है। फिर संबंधित गाटा संख्या का चयन किया जाता है। जैसे ही निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान किया जाता है, प्रमाणित प्रति तुरंत डाउनलोड के लिए उपलब्ध हो जाती है। यह पूरी प्रक्रिया इतनी सहज और तेज है कि इसे कोई भी सामान्य नागरिक बिना किसी विशेष तकनीकी ज्ञान के भी आसानी से पूरा कर सकता है। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह व्यवस्था 24 घंटे उपलब्ध है। पहले जहां सरकारी दफ्तरों के समय पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब यह सेवा दिन-रात कभी भी उपयोग की जा सकती है। इससे खासकर उन लोगों को काफी

सुविधा मिली है जो नौकरी या अन्य कारणों से दिन में समय नहीं निकाल पाते थे। साथ ही, यूपीआई सहित विभिन्न डिजिटल भुगतान विकल्पों के कारण भुगतान की प्रक्रिया भी बेहद सरल और सुरक्षित हो गई है। डिजिटल खतौनी सेवा का एक महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है। पहले कई बार दस्तावेजों में गड़बड़ी, देरी या भ्रष्टाचार की शिकायते सामने आती थीं। लेकिन अब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण हर चरण रिकॉर्ड में रहता है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम हो जाती है। इससे आम नागरिकों का विश्वास भी शासन व्यवस्था में और अधिक बढ़ा है। इसके अलावा, यह पहल समय और संसाधनों की बचत भी सुनिश्चित करती है। लोगों को अब अपने काम के लिए छुट्टी लेने, लंबी दूरी तय करने या बार-बार कार्यालय जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे न केवल उनका समय बचता है, बल्कि यात्रा और अन्य खर्चों में भी कमी आती है।

ज्ञान से विवेक जागृत

ज्ञानी गुरु भगवंत फ़रमाते हैं की कभी किसी प्रकार का अहंकार न करे । वह कोई ज्ञानी हैं तो ज्ञान का दिखावा व प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। अपने ज्ञान के बारे में कुछ कहने बताने का मौका आये तो मौन रहें व शक्तिशाली होने पर भी क्षमाशील रहे । समय-समय पर विवेकशील रहे । अंहकार,ममकार के तिमिर पर, विवेक,संयम की लौ प्रज्वलित कर प्रहार करें। राग-द्वेष की परतें जन्म- जन्मान्तरों से हमारे भीतर बहुत गहरे जमी हुई हैं। इनसे निजात पाने के लिए हर किसी को अनवरत-अविराम संघर्ष करना पडेगा क्योंकि इनको मोह , माया, छल, प्रपंच आदि के सबल सशक्त चेहरे पोषित कर रहे है। हमारे जीवन में ज्ञान का बहुत महत्व हैं । अज्ञान एक प्रकार का अंधकार हैं । अज्ञान से दुःख पैदा हो सकता हैं । क्रोध, मान, माया, लोभ आदि से भी ख़राब अज्ञान होता हैं क्योंकि ज्ञान के बिना करणीय और अकरणीय का विवेक नहीं आता हैं । शिक्षा- संस्थानों में अज्ञान को दूर करने का प्रयास किया जाता हैं । विद्यार्थियों को ज्ञान देने का प्रयास विद्यालयों में किया जाता हैं । ज्ञान एक पवित्र चीज हैं । ज्ञान अनेक विषयों का हो सकता हैं परन्तु साथ में आध्यात्मिक ज्ञान हो जाए और सम्यक् दृष्टि प्राप्त हो जाए, सम्यक्त्व प्राप्त हो जाए तो वह बहुत बड़ी उपलब्धि होती हैं । सम्यक् ज्ञान और सम्यक्त्व बहुत बड़ा रत्न हैं । सम्यक् ज्ञान होने के बाद जीवन में आचरण भी अच्छा रखना चाहिए । ज्ञान और आचार दोनों मिल जातें हैं तो बहुत बड़ी संपत्ति हो जाती हैं । विद्यालयों में ज्ञान के साथ - साथ अच्छे संस्कार भी देना चाहिए। हम कर्मों के वार से चौकन्ना रहे। मूर्च्छा और आसक्ति हमारी टूटे । हम होश में रहते हुए विवेक से हलुकर्मी रहते हुए अंतर्मुखी होकर संयती जीवन जीने का प्रयास करें । अणुव्रत हमारे जीवन का आभूषण है । हम चौकन्ना रहकर मधुर व विनम्र व्यवहार से रिश्तों में मजबूती रखते हुये अपना सही से आत्मकल्याण करें। शक्ल से खूबसूरत लोग दिल से भी खूबसूरत हों ऐसा जरूरी नहीं है। आत्मा की सुंदरता पाने के लिए तो व्यक्ति में गुणों का होना जरूरी है, दिखने में बुरा होते हुए भी अगर कोई गुणवान और प्रतिभावान हो तो उसे कामयाब होने से कोई नहीं रोक सकता है। क्योंकि जीवन की लंबी दौड़ में सांझ की तरह ढलते रूप की नहीं, बल्कि सूरज की तरह अंधेरे में उजालों को रोशन करने वाले गुणों की कद्र होती है । ऐसे कई उदाहरण हैं जो बाहरी खूबसूरती के पैमाने को परिस्थितियों के अनुसार बदलते रहतें हैं। अतः दुनिया में भीतर की खूबसूरती का एक ही पैमाना है और वह है आत्मा से पवित्र और सुंदर होना । चौरासी लाख जीव योनियों में मानव जीवन बहुत महत्त्वपूर्ण और दुर्लभ हैं । हमें यह मानव जीवन अभी प्राप्त हैं, इस मानव जीवन को पापों में नहीं गंवाना चाहिए । हमारे जीवन में ईमानदारी रहें, धोखाधड़ी नहीं करें, किसी के बारें में झूठी बात नहीं बोले , हिंसा से दूर रहें आदि - आदि इन सबका पालन करने का प्रयास करना चाहिए । हम क्रोध से बचकर शांति में रहें । हमको नशा व अन्य अहितकर चीजों से बचना चाहिए , संयम रखना चाहिए । इन सबके अलावा जितना समय मिले हमारे द्वारा धर्मोपासना - जप, ध्यान , स्वाध्याय आदि करने का प्रयास करना चाहिए ।

> प्रदीप छाजेड़

बाइक को टक्कर मारकर भागा आरोपी ड्राइवर, घायल और शवों के हाथ-पैर कटे

शादी में जा रहे दोस्तों को ट्रक ने रौंदा 2 की मौत

हादसा

- स्थानीय लोगों ने बताया कि एक डेडबॉडी का हाथ कटकर अलग हो गया था।
- शव हॉस्पिटल में छोड़कर चली गई पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

भरतपुर। भरतपुर के सेवर में एक ट्रक ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। मृतक उत्तर प्रदेश के आगरा के रहने वाले थे। घायल फिरोजाबाद (UP) का रहने वाला है। तीनों भरतपुर शहर में एक शादी समारोह में जा रहे थे। एक्सीडेंट मंगलवार रात 10 बजे जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर बहनेरा के पास हुआ। हादसा इतना भीषण था कि शवों के हाथ-पैर तक कटकर अलग हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि युवकों के शवों के कई टुकड़े हो गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि चारों ओर खून बिखरा हुआ था। बाइक भी कई मीटर दूर थी। घायल को आईसीयू में भर्ती किया गया है। उसका पैर कटकर अलग हो गया है। वहीं, आरोपी ट्रक ड्राइवर को पुलिस ने मंगलवार रात को ही हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार उसे 4 किलोमीटर दूर पुलिस नाकाबंदी में पकड़ा गया है।

हादसे के बाद सेवर थाना पुलिस शवों को आरबीएम हॉस्पिटल की इमरजेंसी में छोड़कर ही चली गई। बाद में परिजनों ने पहुंचकर दोनों शवों को मॉर्च्युरी में रखवाया।

शादी से 5 किलोमीटर दूर एक्सीडेंट

सेवर थाना के ASI नरेंद्र कुमार ने बताया कि एक्सीडेंट में नीशू कटारा (27) निवासी सिकंदरा (आगरा), आकाश चौधरी (27) निवासी सिकंदरा (आगरा) की मौके पर ही मौत हो गई।

विनीत (23) निवासी फिरोजाबाद घायल है। तीनों एक ही बाइक पर थे और भरतपुर की ब्रज नगर कॉलोनी में एक शादी-समारोह में जा रहे थे। करीब पांच किलोमीटर पहले एक्सीडेंट हो गया। तीनों ने ही हेलमेट नहीं लगाया था।

कानपुर-सागर हाइवे पर हादसा, 16 बाराती घायल

बारात से लौट रही वैन की डंपर से टक्कर, 6 गाड़ियां टकराईं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां पर बारात से वापस हो रही एक ईको वैन और डंपर की भिड़ंत हो गई। उसके ठीक बाद एक के बाद एक चार और गाड़ियां टकरा गईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को निकालकर पतारा सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर सभी को गंभीर हालत में कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। इस दौरान हाइवे पर लगभग 20 किलो मीटर जाम लग गया। पुलिस हाइवे पर डायवर्जन लागू कर यातयात बहाल कराया। हादसा घाटमपुर क्षेत्र में हुआ। घायलों को रेस्क्यू करके के दौरान पतारा चौकी इंचार्ज के हाथ में चोट आई है।

कानपुर देहात के मूसेपुर से बारात मंगलवार को घाटमपुर थाना के उमरी गांव गई थी। बुधवार सुबह बारात वापस कानपुर देहात लौट रही थी। रास्ते में घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा स्थित तिलसड़ा मोड़ के पास बारातियों से भरी ईको वैन मोड़ पर बंद हो गई। इसके बाद वह पीछे की तरफ लुढ़कने लगी। इसी दौरान घाटमपुर की ओर से गिट्टी लद डंपर आ रहा था। उसने वैन में पीछे से टक्कर मार दी। उसमें सवार बारात के 7 लोग घायल हो गए। जब तक वह संभल पाते, तब तक पीछे से आ रहीं बारातियों से भरी तीन गाड़ियां और एक डीसीएम भी टकरा गई।

हाइवे पर 20 किलो मीटर लगा लगा

पतारा में सड़क हादसा होने के बाद कानपुर-सागर हाइवे पर करीब 20 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। यहां पर हमीरपुर की ओर जहांगीराबाद तक और कानपुर की ओर बिधनू तक जाम लग गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद घाटमपुर पुलिस ने एनएचआई की क्रेन और जेसीबी की मदद से हाइवे पर खड़े क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाया। इसमें पुलिस को करीब 3 घंटे लग गए। इस दौरान हमीरपुर की ओर घाटमपुर चौराहे से और कानपुर की रमईपुर चौराहे से रूट डायवर्जन करके हाइवे पर यातयात बहाल कराया है।

फास्ट न्यूज

चटोरी गली में डोसा-कबाब पराठा 10 रुपये महंगा

गोरखपुर। 1 मई को कमर्शियल सिलेंडर के दामों में बढ़ोत्तरी के बाद गोरखपुर के रेस्टोरेंट और कैफे संचालकों की दिक्कत बढ़ गई है। अब पहले से कहीं ज्यादा लागत लगने की वजह उसको मैनेज करना मुश्किल हो रहा है। सिलेंडर की किल्लत को देखते हुए चटोरी गली के अधिकतर दुकानदारों ने वहां की फेमस डिश कबाब पराठा का रेट पहले से ही 10 रुपए बढ़ा रखा है।

होमगार्ड ने पुलिस चौकी, अस्पताल में हंगामा किया

सारनाथ, वाराणसी। वाराणसी में एक होमगार्ड ने पुलिस चौकी और अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने बताया कि होमगार्ड मानसिक रूप से अस्वस्थ है और उसका इलाज चल रहा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पुलिसकर्मी उसे काबू करते दिख रहे हैं। यह घटना अर्दली बाजार पुलिस चौकी पर हुई। चौकी प्रभारी उमा शंकर सिंह ने बताया कि सरसौली निवासी होमगार्ड सुनील पटेल (पुत्र मोती लाल पटेल) सरसौली में हुई एक मारपीट की घटना के आरोपी की पैरवी के लिए चौकी पर आया था।

गोरखपुर में डीजे पर नाचने को लेकर मारपीट

गोरखपुर। गोरखपुर के गोरखनाथ इलाके में एक शादी समारोह के दौरान डीजे पर डांस को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक हिंसक हो गया। कुछ युवकों ने मैरिज हॉल में घुसकर जमकर हंगामा किया, जिससे पूरे समारोह में अफरा-तफरी मच गई। आरोप है कि हमलावरों ने बरातियों के साथ मारपीट की, उनकी गाड़ियों को तोड़ा और खाने को भी बर्बाद कर दिया।

मथुरा हार्ट इंस्टीट्यूट की अल्ट्रासाउंड मशीन सील

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद में अवैध लिंग जांच पर सख्ती जारी रखते हुए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी एवं जनपदीय समुचित प्राधिकारी के निर्देश पर पीसीपीएन-डीटी समिति द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर मथुरा हार्ट इंस्टीट्यूट की अल्ट्रासाउंड/ईको मशीन को सील कर दिया गया। बुधवार को उप जिलाधिकारी सदर आदेश कुमार, पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. चित्रेश कुमार निर्मल एवं समिति सदस्य उत्तम चौधरी की टीम ने संस्थान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 के प्रावधानों का उल्लंघन सामने आया। उल्लंघन की पुष्टि होने पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अल्ट्रासाउंड/ईको मशीन को सील कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भ्रूण लिंग जांच जैसे अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वाराणसी में मनीष सिंह हत्याकांड पर तनाव

वाराणसी। वाराणसी में व्यापारी मनीष सिंह हत्याकांड के विरोध में प्रस्तावित न्याय जुलूस को लेकर पुलिस ने कड़ा पहरा लगा दिया है। हत्या के बाद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजनों ने जुलूस निकालने का ऐलान किया है, जिसके बाद प्रशासन ने घमहापुर क्षेत्र की सीमाएं सील कर दी हैं।

पुलिस ने पहले परिजनों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति को देखते हुए सुबह से ही मनीष सिंह के घर पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जुलूस में शामिल होने वाले लोगों को घरों में ही नजरबंद किया गया है। कई गांवों से सैकड़ों लोगों के शामिल होने की आशंका को देखते हुए लगभग 10 किलोमीटर के क्षेत्र को संवेदनशील मानते हुए लॉकडाउन जैसी स्थिति लागू कर दी गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 3 IPS और 8 PPS अधिकारियों समेत 500 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

17,35,000 की लागत से एक हेवी-ड्यूटी लिफ्टर क्रेन भी प्रदान की गई

मथुरा पुलिस को सीएसआर फंड से हाईटेक संसाधनों की सौगात

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद मथुरा में VACMET INDIA लिमिटेड द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (CSR) फंड के अंतर्गत पुलिस विभाग को आधुनिक तकनीक से लैस महत्वपूर्ण संसाधन उपलब्ध कराए गए। इन संसाधनों की कुल लागत 2,03,77,788 बताई गई है, जो जनपद की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा प्रणाली को और सुदृढ़ बनाएंगे।

कंपनी द्वारा मथुरा पुलिस को 48 स्थानों पर 192 ANPR (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) युक्त CCTV कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं, जिनकी लागत 1,01,78,400 है। इसके साथ ही 21,47,848 की लागत से लाइव सर्विलांस एवं डेटा एनालिटिक्स युक्त केंद्रीकृत CCTV कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

इसके अतिरिक्त, 63,16,540 की लागत से एक इंडस्ट्रियल फोम टेंडर (फायर फाइटिंग वाहन) तथा 17,35,000 की लागत से एक हेवी-ड्यूटी लिफ्टर क्रेन भी प्रदान की गई है।

पुलिस लाइन मथुरा में आयोजित कार्यक्रम में VACMET INDIA लिमिटेड के डायरेक्टर्स राज नारायण अग्रवाल, नितिन अग्रवाल एवं राहुल अग्रवाल द्वारा इन वाहनों की सांकेतिक चाबी अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा रेंज शैलेश कुमार पांडे को सौंपी गई।

- इंडस्ट्रियल फोम टेंडर विशेष रूप से केमिकल एवं पेट्रोलियम से लगी आग बुझाने में सक्षम है, जबकि हेवी-ड्यूटी लिफ्टर क्रेन सड़क पर बाधा बन रहे वाहनों को हटाने में उपयोगी साबित होगी।

70 लोकेशन के 280 कैमरे जुड़े हुए

इस हाईटेक कंट्रोल रूम में अब कुल 70 लोकेशन (48 नई और 22 पूर्व स्थापित) के 280 कैमरे जुड़े हुए हैं। ये कैमरे वाहनों की नंबर प्लेट को स्वतः पढ़ने के साथ-साथ वाहन के रंग और मॉडल के आधार पर भी पहचान कर सकते हैं। संदिग्ध या चोरी के वाहनों को सॉफ्टवेयर के माध्यम से ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है, जिससे किसी भी चौराहे पर उनके गुजरते ही कंट्रोल रूम को तत्काल अलर्ट मिल जाएगा। ये कैमरे 200 किमी/घंटा तक की रफ्तार से गुजर रहे वाहनों की नंबर प्लेट भी पढ़ने में सक्षम हैं।

गोदाम में रखा 100 क्विंटल गेहूं भीगा, 45 जिलों में आंधी-बरसात का अलर्ट

गाजियाबाद में ओले गिरे, नोएडा-प्रयागराज में बारिश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर । यूपी में बुधवार को दो तरह का मौसम देखने को मिला। जहां पश्चिमी और पूर्वी यूपी में मौसम साफ है। धूप निकली हुई है। वहीं, बुलंदेलखंड में मौसम बिगड़ा हुआ है। ज्यादातर जिलों में बादल छाए हैं। तेज हवाएं चल रही हैं। बारिश की संभावना बनी हुई है।

इससे पहले, मंगलवार देर रात पश्चिमी यूपी के गाजियाबाद और नोएडा में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। ओले भी गिरे। पूर्वी यूपी में प्रयागराज, गाजीपुर और मिर्जापुर में बारिश हुई। गाजीपुर में गोदाम में रखा 100 क्विंटल गेहूं भीग गया। आज 45 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 60 किमी की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

बता दें कि प्रदेश में पिछले 6 दिनों से आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। इससे अधिकतम तापमान 40°C से नीचे आ गया है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और पहाड़ों पर बर्फबारी की वजह से यूपी में मौसम बदला है।

पिछले 24 घंटे की बात करें तो लखनऊ-आगरा समेत 45 शहरों में जोरदार बारिश हुई। हमीरपुर-चित्रकूट में 70kmph से तूफान आया। कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए। हमीरपुर में खेत से लौट रही महिला पर टीन शेड गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। दीवार ढहने से कार-बाइक चकनाचूर हो गईं। बाराबंकी में सबसे अधिक 72 मिमी. बारिश हुई। सिद्धार्थनगर में 66 मिमी, अंबेडकरनगर में 42 मिमी और गोरखपुर में 41.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से बादल बन रहे हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी भरी हवाएं और पश्चिम से आने वाली सूखी हवाएं आपस में टकराकर वातावरण को अस्थिर बना रही हैं। मई महीने में यह स्थिति आम होती है। फिलहाल10 मई तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

तस्वीर गाजीपुर की है। यहां बारिश में क्रय केंद्रों पर रखी गेहूं की फसल भीग गई।

गोरखपुर में बढ़ा गर्मी का असर, आसमान साफ

गोरखपुर में एक बार फिर गर्मी का असर बढ़ने लगा है। बुधवार सुबह से आसमान साफ है और तेज धूप खिली हुई है। बादल भी नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आज दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पूरे दिन 45 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। दोपहर बाद आसमान में बादलों की संख्या बढ़ सकती है, जिससे तेज धूप का असर कुछ कम होगा और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

स्व-गणना कार्यक्रम हेतु तिथिवार रोस्टर जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

बराबंकी । जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत स्व-गणना को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु तिथिवार संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। यह कार्यक्रम 07 मई से 21 मई 2026 के मध्य संचालित किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विभिन्न वर्गों के नागरिकों को सम्मिलित करते हुए व्यापक स्तर पर स्व-गणना कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में जनसहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक दिवस को एक विशेष थीम के रूप में निर्धारित किया गया है। इसके उपरांत 08 मई को “स्थानीय प्रशासन एवं ग्रामीण विकास दिवस” के रूप में ग्राम पंचायतों, नगर निकायों एवं विकास खण्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों को सम्मिलित किया जाएगा। इसी क्रम में 09 मई को खिलाड़ियों, पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों, 10 मई को पद्म/राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों एवं सामाजिक संस्थाओं, 11 मई को न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं, 12 मई को पुलिस एवं यूनिफॉर्म्ड फोर्स, 13 मई को केन्द्रीय कार्यालयों एवं वित्तीय संस्थानों, 14 मई को शिक्षा संस्थानों, 15 मई को चिकित्सा संस्थानों, 16 मई को उद्योग एवं यातायात क्षेत्र, 17 मई को महिला समूहों एवं स्वयं सहायता समूहों, 18 मई को डिजिटल एक्सेस सपोर्ट के माध्यम से आमजन, 19 मई को वर्क फ्रॉम होम करने वाले नागरिकों तथा 20 मई को स्ळठज्फ समुदाय से जुड़े नागरिकों को स्व-गणना कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

- 07 मई से 21 मई तक विभिन्न वर्गों के लिए निर्धारित किये गए विशेष दिवस

घटना : सिर और चेहरा कूचा, परिजनों ने शव रोड पर रखकर किया हंगामा, 5 घंटे बाद जाम खुला

बारात के झगड़े में युवक की पीट-पीटकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में बारात में झगड़े के बाद युवक की हत्या कर दी गई। युवक को बारात से लौटते समय आरोपी युवकों ने पत्थर से सिर और चेहरा कूच दिया। इसके बाद सड़क किनारे शव फेंककर फरार हो गए। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और हत्या का आरोप लगाते हुए सड़क पर धरने पर बैठ गए, जिससे जाम लग गया।

परिजनों के मुताबिक, युवक मंगलवार शाम अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए जौनपुर गया था। वहां किसी बात को लेकर कुछ लोगों से विवाद हो गया। इसके बाद लौटते समय घर से करीब 30 किमी दूर रास्ते में उन्हीं लोगों ने उसे घेरकर हत्या कर दी।

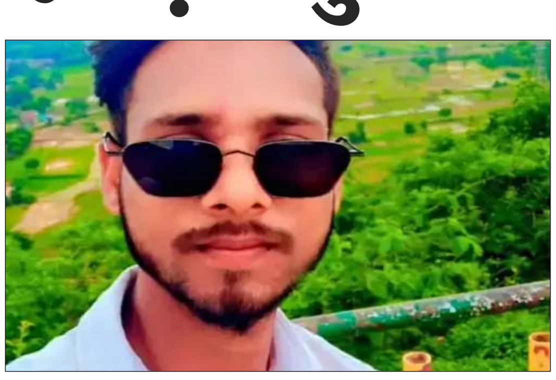

रोहित राजभर घूमने का शौक रखता था।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया, लेकिन परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे रहे। करीब पांच घंटे तक हंगामा चलता रहा। प्रशासन ने परिजनों को लिखित में कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खुल सका। घटना सिंधोरा थाना क्षेत्र की है।

रोहित के भाई किशन राजभर ने बताया- 5 मई की शाम (मंगलवार) मेरा भाई अपने दोस्त की शादी में शामिल होने गया था।

ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था युवक

युवक की पहचान रोहित राजभर (23) पुत्र दीपचंद राजभर के रूप में हुई। वह मूल रूप से चंदवक थाना क्षेत्र का निवासी था। 2 साल पहले उसके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद से रोहित अपने ननिहाल कस्तमपुरा (सारनाथ) में रह रहा था और वहीं से पढ़ाई कर रहा था। रोहित का एक छोटा भाई किशन है, जबकि बहन शीतल की शादी हो चुकी है।

रोहित राजभर की मां रोते-रोते बेहोश हो गई।

वर्चस्व की लड़ाई में रोहित की हत्या की गई

उन्होंने आगे कहा- 26 अप्रैल को मनीष सिंह की हत्या हुई थी, जिसमें राजभर समाज के लोगों पर आरोप लगाए गए थे। इसके बाद से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ठाकुर और राजभर समुदाय के बीच वर्चस्व को लेकर पोस्ट की जा रही थीं। हमें आशंका है कि इसी रंजिश के चलते मेरे भाई की हत्या की गई है।

जनगणना -2027 को लेकर मथुरा में तैयारी तेज

स्व-गणना पर दिया गया विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना-2027 के प्रथम चरण—मकान सूचीकरण, मकानों की गणना एवं स्व-गणना—के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान जनपद के सभी चार्ज अधिकारियों को पीपीटी के माध्यम से विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश में 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक आम नागरिक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद 22 मई से 20 जून 2026 तक जनगणना के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य संपन्न किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि जनगणना-2027 को इस बार पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में मोबाइल एप के माध्यम से कराया जाएगा, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित होगी। जनगणना दो चरणों में होगी—पहले चरण में हाउस लिस्टिंग एवं मकानों की नंबरिंग, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि पहली बार नागरिकों को स्व-गणना (Self Enumeration) का विकल्प दिया गया है, जिसमें 33 प्रश्नों के उत्तर स्वयं या परिवार के सदस्य अथवा जन सेवा केंद्र के माध्यम से भरे जा सकते हैं। उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम बताते हुए कहा कि इसके आंकड़ों के आधार पर ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों एवं संबंधित लोगों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करें। साथ ही कोटेदारों, ग्राम सचिवों, प्रधानों, पुलिस कर्मियों, होमगार्ड्स, पीआरडी जवानों, सिविल डिफेंस, व्यापारियों, शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों को भी इसमें सहभागी बनाने पर जोर दिया।

जालौन में चारों पुलिसकर्मियों को डीजी-आईजी ने कंधा दिया, हरियाणा हादसे में गई थी जान

सिपाही के शव से लिपटकर रोई पत्नी, हुई बेहोश

सलामी

तमसा संकेत, एजेंसी

जालौन। हरियाणा सड़क हादसे में जान गंवाने वाले जालौन के 4 पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन में अंतिम सलामी दी गई। सिपाही प्रदीप की पत्नी मयूरी वर्मा पति के पार्थिव शरीर से लिपटकर रोने लगीं। महिला पुलिस ने उन्हें संभाला और पति के शव से दूर किया, लेकिन वह लगातार रोती रहीं। रोते-रोते वह बेहोश हो गईं। प्रदीप और मयूरी की 66 दिन पहले ही शादी हुई थी।

बुधवार सुबह 8 बजे चारों पुलिसकर्मियों के शव हरियाणा से जालौन पहुंचे। यहां सभी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। शहीद स्मारक में DG आलोक सिंह, आईजी आकाश कुलहरी और डीएम राजेश पांडेय समेत सभी पुलिसकर्मियों ने कंधा दिया। श्रद्धांजलि के बाद पुलिसकर्मियों के शव परिवारों को सौंप दिए गए। इसके बाद वे अंतिम संस्कार के लिए रवाना हो गए। डीजी आलोक कुमार ने कहा- चारों पुलिसकर्मियों के एक-एक सदस्य को नौकरी और 1.90-1.90 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। ऊरई कोतवाली में तैनात दरोगा मोहित यादव, दरोगा सत्यभान, कॉन्स्टेबल अशोक कुमार, प्रदीप और सर्विलांस टीम हरियाणा दबिश देने गए थे। मंगलवार सुबह स्कॉर्पियो से वहां से लौट रहे थे।

सिपाही प्रदीप की पत्नी मयूरी वर्मा पति के पार्थिव शरीर से लिपटकर रोने लगीं।

परिजन शव लेकर पुलिसलाइन से हुए रवाना

श्रद्धांजलि के बाद परिजन शव लेकर पुलिस लाइन से रवाना हुए। कासगंज के लिए उपनिरीक्षक सत्यभान का पार्थिव शरीर रवाना हुआ। वहीं, कन्नौज के लिए उपनिरीक्षक मोहित यादव, बांदा के लिए सिपाही अशोक और रायबरेली के लिए सर्विलांस में तैनात सिपाही प्रदीप कुमार के पार्थिव शरीर लेकर लोग रवाना किए गए।

डीजी आलोक सिंह ने सड़क हादसे के शिकार हुए प्रत्येक पुलिसकर्मी के परिजन को 1 करोड़ 90 लाख रुपए की आर्थिक सहायता का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी।

चारों पुलिसकर्मियों का शव जालौन पहुंचा

यूपी के जालौन के 4 पुलिसकर्मियों समेत 5 की हरियाणा के नूंह में मंगलवार को सड़क हादसे में मौत हो गई थी। हादसे में मरने वालों में 2 दरोगा, 2 सिपाही और एक वादी शामिल हैं। बुधवार की सुबह 8 बजे चारों पुलिसकर्मियों का शव जालौन पहुंचा। उनके शवों के पुलिस लाइन में रखा गया है। पुलिसकर्मियों के परिजन भी वहां पहुंच गए हैं। अंतिम संस्कार 10 बजे के करीब किया जाएगा।

डीजी आलोक कुमार, डीआईजी आकाश कुलहरि, डीएम राजेश पांडेय सहित अन्य अधिकारियों ने सैल्युट किया।

डीजी ने पुलिसकर्मियों को अंतिम विदाई दी

जालौन में डीजी आलोक सिंह, आईजी आकाश कुलहरी, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, डीएम राजेश कुमार पांडेय, एसपी विनय कुमार सिंह, एएसपी डॉ. ईशान सोनी, सीओ उरई राजीव शर्मा, कोंच सीओ परमेश्वर प्रसाद, कालपी सीओ अवधेश कुमार सिंह, माधौगढ़ सीओ अंबुज यादव और जालौन सीओ शैलेंद्र बाजपेई समेत सभी पुलिसकर्मियों को अंतिम विदाई दी।

मंत्री के भाई के आवास पर खुले जिम में रेप

संचालक ने महिला डॉक्टर से दरिंदगी की

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के भाई के घर के ऊपरी हिस्से में चल रहे जिम में MBBS डॉक्टर से रेप हुआ। दुष्कर्म जिम संचालक ने किया। उसने डॉक्टर को वजन कम करने के नाम पर नशीला ड्रिंक पिलाया।

जब वह बेहोश हो गई, तो उसे अपने प्राइवेट रूम में ले गया। इस दौरान जिम संचालक के छोटे भाई ने डॉक्टर के न्यूड वीडियो शूट कर लिए। साथ ही कमरे में लगे हिडन कैमरे से भी वीडियो शूट किए।

पिछले महीने (अप्रैल में) जब जिम संचालक ने महिला डॉक्टर को उसके न्यूड वीडियो दिखाकर 50 लाख रुपए मांगे, तब उसे वीडियो के बारे में पता चला। इसके बाद महिला डॉक्टर ने जिम जाना छोड़ दिया। तब दोनों भाई उसके घर पहुंच गए।

धमकी देते हुए कहा कि रुपए दो, नहीं तो वीडियो वायरल कर दूंगा। धमकी के बाद लेडी डॉक्टर पुलिस के पास पहुंची। डॉक्टर की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों भाइयों को अरेस्ट कर लिया।

पुलिस कस्टडी में दोनों भाई लंगड़ाते हुए दिखे। हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए कहते रहे- साहब हमसे गलती हो गई, अब ऐसा अपराध कभी नहीं करेंगे। मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का है।

सिविल लाइंस में बड़े डाकखाना के सामने कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के भाई जागन सिंह का दो मंजिला आवास है।

फास्ट न्यूज

वायरल बाबा को देवीराम का लड्डू-ढोकला पंसद

आगरा । आगरा में फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले 80 वर्षीय संतोष गोयल का इलाज अब भारतीय सेना करा रही है। दोनों आंखों से नेत्रहीन संतोष गोयल को मंगलवार को आर्मी के जवान अपने साथ कमांड हॉस्पिटल ले गए, जहां उनकी आंखों का इलाज चल रहा है। शाह मार्केट देवीराम स्वीट्स के कर्मचारियों ने बताया-बाबा संतोष गोयल रोज सुबह 10 बजे दुकान पर आ जाते थे।

कानपुर में कुत्तों के लिए ब्रेकफास्ट, लंच-डिनर की व्यवस्था

कानपुर। कानपुर में प्रदेश का पहला डॉग शेल्टर बनने जा रहा है। यहां शहर के कटखने और आक्रामक आवारा कुत्तों को रखा जाएगा। नगर निगम ने इसके लिए रुमा ड्योढ़ी घाट के पास करीब पांच एकड़ भूमि चिह्नित कर ली है। इस शेल्टर में एक साथ 1000 कुत्तों को रखने की सुविधा होगी। इसको चार करोड़ की कीमत से बनवाया जाएगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह डॉग शेल्टर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यहां कुत्तों के लिए अलग से किचन, अस्पताल, उपचार कक्ष और रहने की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

बंगाल प्रवास से वापस आए सांसद

कानपुर । पश्चिम बंगाल चुनाव प्रवास से लौटने के बाद कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी का बुधवार को सेंट्रल स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और संगठन के पदाधिकारी ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते स्टेशन पहुंचे। प्लेटफॉर्म से लेकर गेट नंबर एक तक फूलों की वर्षा कर और मालाएं पहनाकर उनका जोरदार अभिनंदन किया गया। इस दौरान रमेश अवस्थी ने कहा कि बंगाल में अब "बदला नहीं, बदलाव" की राजनीति होगी।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े एटीएम कैश वैन से 20 लाख लूटे

ड्राइवर को बंधक बनाया, फायरिंग की

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बुधवार दोपहर 1 बजे 3 बदमाशों ने 20 लाख रुपए से भरी ATM कैश वैन लूट ली। इंडिया वन कंपनी की इस कैश वैन के ड्राइवर को बदमाशों ने बंधक बना लिया और फायरिंग भी की। इसके बाद कैश वैन लेकर एक्सप्रेस-वे के रास्ते हापुड़ की ओर भाग निकले। ड्राइवर को डरा-धमकाकर गाड़ी से नीचे उतार दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी की, तो उन्हें घटनास्थल से करीब 8 किमी दूर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर कैश वैन लावारिस हालत में मिली। उसमें रखे रुपए गायब थे। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि कैश वैन से कितनी रकम लूटी गई, इसका पता लगाया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बदमाशों की तलाश में दबिश दी जा रही है। मामला जिला मुख्यालय से 7 किमी दूर क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र का है। एचपी पेट्रोल पंप के पास इंडिया वन का ATM बूथ है। यह मेन रोड से करीब 50 मीटर अंदर गली में है। बुधवार दोपहर 1 बजे कंपनी के 4 कर्मचारी कैश वैन लेकर ATM में पैसा डालने गए थे। गार्ड और 2 कर्मचारी कैश लेकर ATM की तरफ चले गए। ड्राइवर वैन में बैठा था। तभी मौका पाकर 3 बदमाशों ने वैन पर धावा बोल दिया। तमंचे के बल ड्राइवर को बंधक बना लिया।

हरदोई में मेले से अपहरण किया, फिरौती न देने पर की थी वारदात

बच्चे से कुकर्म-हत्या के आरोपी को एनकाउंटर में मार गिराया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में 7 साल के बच्चे के अपहरण के बाद हत्या के आरोपी महनूर को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर एक दिन पहले ही 50 हजार रुपए का इनाम घोषित हुआ था। पुलिस के मुताबिक, बुधवार तड़के 3 बजे पुलिस ने 27 साल के महनूर को रोका तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में सीने में गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

मुठभेड़ शहर से 50 किमी दूर बाबटमऊ में हुई। पुलिस के मुताबिक, महनूर ने 3 मई को साथियों के साथ मेले में गए बच्चे का अपहरण किया था। पिता को फोन कर 7 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पैसा न देने पर आरोपियों ने बच्चे के साथ कुकर्म किया, फिर उसकी हत्या कर दी। शव को खेत में दफना दिया।

पुलिस को जिस नंबर से फिरौती की कॉल आई थी, उसे ट्रेस करते हुए टीम कानपुर पहुंची। वहां से मंगलवार को दो आरोपियों को पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया था। फिर उनकी निशानदेही पर बच्चे का शव बरामद किया। पूछताछ में आरोपियों ने कन्नौज निवासी महनूर का नाम बताया। वह नाम बदलने में माहिर था। उसके दो और नाम थे- शहनूर और मेनुद्दीन। उस पर 12 मुकदमे दर्ज थे। महनूर पहले भी पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार हो चुका था। उसके पिता कन्नौज में खेती करते हैं। वह तीन भाइयों में सबसे बड़ा था।

आरोपियों ने बच्चे को खेत में दफना दिया था। पुलिस ने मिट्टी खोदकर बच्चे की लाश बरामद की थी।

पिता ने एनकाउंटर गलत बताया

आरोपी महनूर के पिता मोइन ने पुलिस एनकाउंटर को गलत बताया है। उनका कहना है कि उसे सजा दे देनी चाहिए थी। इतना बड़ा अपराधी नहीं था कि सीधे एनकाउंटर कर दिया जाए। हां उसपर चोरी के मुकदमे चल रहे थे लेकिन हत्या की बात पर मुझे यकीन नहीं हो रहा है।

पुलिस बोली- रोका तो फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में गोली लगी

पुलिस के मुताबिक, महनूर की तलाश में पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। तड़के 3 बजे बाबटमऊ के पास एक संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भागने लगा। उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके सीने में लगी। उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी की गोली से एसओजी प्रभारी राजेश कुमार घायल हो गए, जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

कूड़ा फेंकने के विवाद में 3 गोलियां मारीं, 8 घंटे बाद आरोपी एनकाउंटर में अरेस्ट

नोएडा में एलएलबी छात्र की घर में घुसकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर । नोएडा में 25 साल के एलएलबी छात्र की मंगलवार रात 12:30 बजे घर में घुसकर हत्या कर दी गई। पड़ोस के दो सगे भाइयों ने उसे तीन गोलियां मारीं। एक सीने में और दो पेट में लगीं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि छात्र का चार दिन पहले नाली की सफाई को लेकर आरोपियों से झगड़ा हुआ था। इससे आरोपी नाराज थे।

परिजनों के मुताबिक, मंगलवार देर रात छात्र साजन दोस्त की शादी से घर लौटा। कार से उतरते ही दो भाइयों ने साथियों के साथ मिलकर उसे घेर लिया। मारपीट के बाद पिस्टल से उस पर फायरिंग कर दी। वह जान बचाने के लिए घर के अंदर भागा, मगर आरोपियों ने पीछा कर गोलियां मार दीं। वह लहूलुहान होकर फर्श पर गिर गया। फायरिंग की आवाज सुनकर घर के लोग बाहर आए। उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार सुबह 8 बजे, यानी वारदात के आठ घंटे बाद, पुलिस ने मुख्य आरोपी मंगेश का एनकाउंटर कर दिया। उसके पैर में गोली लगी है। मामला शहर के सूरजपुर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने बुधवार सुबह छात्र की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी मंगेश को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। उसके पैर में गोली लगी है।

4 दिन पहले आरोपियों से हुई थी कहासुनी

साकीपुर गांव निवासी साजन एलएलबी सेकंड ईयर का छात्र था। वह जिम भी जाता था। छोटे भाई बॉबी ने बताया कि चार दिन पहले नाली में कूड़ा डालने को लेकर भाई की आरोपियों से कहासुनी हुई थी। हालांकि, मारपीट नहीं हुई थी, लेकिन आरोपी भाई से रंजिश रखने लगे थे। मंगलवार को भाई अपने दोस्त की शादी समारोह में कार से गया था। रात 12:30 बजे वह कार से घर लौटा। उसके घर के बाहर पड़ोस में रहने वाले दो भाई वीर सिंह और मंगेश उर्फ टिल्लू बैठे थे। दोनों के साथ उनका दोस्त श्रीपाल और तीन अन्य साथी भी थे।

'कॉपी-पेंसिल नहीं तो क्या? स्टेशनरी बैंक है न'

शिक्षकों की अनूठी पहल, सरकारी स्कूल में बनाया गया स्टेशनरी बैंक

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । सर जी! कापी नहीं थी इसलिए स्कूल नहीं आए थे। मैडम जी पेंसिल नहीं है कैसे लिखें। आमतौर पर दिखने वाली बच्चों की इस तरह की दिक्कत अब कस्बा बलदेव के परिषदीय विद्यालय बलरामपुर में नहीं होगी, क्योंकि अब स्कूल में ही स्टेशनरी का एक अपना बैंक होगा। इस बैंक में पैन, पेंसिल, रबर, कलर, कटर, कॉपियां, पहाड़े, पुस्तकें व अन्य उपयोगी वस्तुएं मौजूद रहा करेंगी और जरूरत पड़ने पर विद्यार्थी यहां से स्वयं ही निःशुल्क ले लेंगे।

विदित हो कि सरकार के द्वारा परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को किताबें, जूते, ड्रेस और बस्ते तो डीवीटी के माध्यम से मुफ्त में मिल जाते हैं, लेकिन कापियां, पेंसिल, पेन, रबर आदि की जरूरत निरन्तर पड़ती है क्योंकि यहां पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे गरीब परिवारों से होते हैं, जो स्टेशनरी न होने पर स्कूल आने से कतराते हैं। प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में निःशुल्क स्टेशनरी बैंक का शुभारंभ अग्रवाल समाज संगठन के अध्यक्ष और उद्योगपति उमेश अग्रवाल एवं होटल विरासत के निदेशक मोहित अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती के छविचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं फीता काटकर किया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

वंदे मातरम गीत ...

यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गई थीं।

'वंदे मातरम' एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम' भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई।

दिल्ली में कर्तव्य पथ पर मुख्य परेड में इस साल 77वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य परेड की थीम वंदे मातरम रखी गई थी। परेड में संस्कृति मंत्रालय ने वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाली झांकी निकाली थी। इस झांकी को मंत्रालयों और विभागों की कैटेगरी में बेस्ट झांकी का अवॉर्ड मिला।

सिनेमा हॉल और...

अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

तमिलनाडु में टल ...

फिलहाल कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन मिला है।

उधर, पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का शपथ समारोह 9 मई को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे होगा। प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 7 मई को विधायक दल की बैठक होगी।

विजय लेफ्ट और वीसीके जैसे छोटे दलों के भी संपर्क में हैं। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर AIADMK से भी समर्थन लिया जा सकता है। हालांकि, AIADMK में 20 विधायकों में टूट की खबर भी आ रही है।

कौन-कौन सी पार्टी उन्हें समर्थन देंगी यह साफ नहीं है। TVK ने बुधवार को अपने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को महाबलीपुरम के चेंगलपट्टू स्थित फोर पॉइंट्स नाम के रिसॉर्ट में शिफ्ट कर दिया है। बंगाल में 4 मई को रिजल्ट के बाद से हिंसा शुरू हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान 4 लोगों की हत्या हुई। इनमें भाजपा और TMC के 2-2 कार्यकर्ता हैं।

कोलकाता के न्यू मार्केट में मंगलवार रात भीड़ ने TMC के पार्टी ऑफिस को बुलडोजर से गिरा दिया। उपद्रवियों ने आसपास की दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया।

'वोट की लूट से ...

सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश के 2022 चुनाव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कई जगहों पर मतगणना केंद्रों और बूथों पर गड़बड़ी की गई। उन्होंने कहा कि एजेंटों को बाहर निकाला गया और मतदाताओं को डराने-धमकाने के मामले सामने आए।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा "मतगणना नहीं, मनगणना" कराती है और पहले से ही तय कर लिया जाता है कि किसे जिताना है।

यादव ने सुप्रीम कोर्ट से पश्चिम बंगाल में कथित धांधलियों का संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब अदालत की कार्यवाही लाइव हो सकती है, तो वोटों की गिनती भी सीसीटीवी के जरिए लाइव क्यों नहीं की जा सकती।

सपा प्रमुख ने दावा किया कि 2022 चुनाव में हजारों वोटरों के नाम काटे गए। पार्टी ने 18 हजार से अधिक मतदाताओं के शपथ पत्र चुनाव आयोग को सौंपे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कीबोर्ड और डेटा...

भारतीय सेना के उत्तरी तथा मध्य कमान तथा भारतीय रक्षा निर्माता सोसायटी की ओर से न्यू कैंट स्थित कोबरा ऑडिटोरियम में तीन दिवसीय सिंपोजियम के अंतिम दिन मुख्यमंत्री ने यूपी की रक्षा क्षेत्र में बढ़ती ताकत का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य का डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जल्द ही भारत की सैन्य शक्ति का मुख्य आधार बनेगा। उन्होंने बताया कि राज्य के छह नोड्स लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर तेजी से काम हो रहा है। अलीगढ़ जहां छोटे हथियारों का केंद्र बना है, वहीं कानपुर में मिसाइल और गोला-बारूद का निर्माण हो रहा है। लखनऊ और झांसी में ब्रह्मोस जैसी आधुनिक मिसाइलों के निर्माण से देश की सैन्य क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी।

योगी आदित्यनाथ ने रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ साल पहले तक हमारा रक्षा निर्यात मात्र 600 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर 50 हजार करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी 56 प्रतिशत युवा कार्यकुशल आबादी और 96 लाख एमएसएमई इकाइयों के साथ रक्षा क्षेत्र के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम प्रदान कर रहा है।

यूपी : ब्लास्ट की ...

दोनों पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के संपर्क में थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शहजाद भट्टी ने कहा था, 'मेरे कहने के अनुसार काम करोगे तो मैं तुम्हें इंडिया में हीरो बना दूंगा।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने पंजाब में हुए धमाके की जिम्मेदारी ली है। पंजाब में मंगलवार की रात 3 घंटे के भीतर 2 जगह ब्लास्ट हुए थे।

दानियाल अशरफ ने एक राज्य के पुलिस स्टेशन का रेकी वीडियो बनाकर हैंडलर्स को भेजा था। उसने हमले के लिए पैसे और हथियार (गन) की मांग भी की थी। हम्माद ने आबिद जट की पाकिस्तानी डॉन लिखी फोटो भेजी थी, जिसकी 50 कॉपी छपवाकर महत्वपूर्ण जगहों पर चिपकाने की बात कही गई थी।

छोटेलाल ने चार ऑटो भी खरीदे थे, लेकिन किस्तें न चुका पाने के कारण वे जब्त हो गए। छोटेलाल का एक भाई BSF में हैं, दूसरा भाई अधिवक्ता है। एक अन्य भाई दुकान चलाते हैं। परिवार में एक चचेरा भाई बॉक्सिंग करता है, जबकि कुछ अन्य रिश्तेदार LLB की पढ़ाई कर रहे हैं।

5 हत्याओं के बाद ...

नियाज ने भावुक होकर कहा कि उनका पूरा परिवार खत्म हो गया है। पत्नी और बच्चों के बिना जीवन अधूरा है। उन्होंने कहा कि आरोपी के मारे जाने से उन्हें कुछ हद तक संतोष है, लेकिन यह क्षति कभी पूरी नहीं हो सकती।

नियाज ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज की और आरोपी की तलाश में कई टीमें लगाई गईं।

पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान आरोपी ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे मुठभेड़ में मार गिराया।

नियाज ने भावुक होकर कहा कि उनका पूरा परिवार खत्म हो गया है। पत्नी और बच्चों के बिना जीवन अधूरा है। उन्होंने कहा कि आरोपी के मारे जाने से उन्हें कुछ हद तक संतोष है, लेकिन यह क्षति कभी पूरी नहीं हो सकती।

सरकारी स्कूल में ...

इससे शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल में बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने के बजाय उनसे साफ-सफाई का काम कराया जा रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि बच्चे स्कूल परिसर में झाड़ू लगाते नजर आ रहे हैं, जबकि शिक्षक वहां मौजूद हैं।

इस घटना के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। अभिभावकों ने मामले की जांच कर संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

अकील हुसैन का मास्क सेलिब्रेशन, नूर से कैच ड्रॉप चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड बॉल को चूमते नजर आए

राहुल का कैच लेने के बाद गायकवाड ने चूमी बॉल

खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। इस मैच की शुरुआत और अंत चौके के साथ हुआ। अरुण जेटली मैदान पर मैच की पहली बॉल पर पाथुम निसांका ने स्वीप करके चौका लगाया। तो कार्तिक शर्मा ने टी नटराजन की बॉल पर चौका लगाकर जीत दिलाई। चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड बॉल को चूमते नजर आए। उन्होंने डायरेक्ट थ्रो पर

पाथुम निसांका ने पहले ओवर की पहली बॉल पर चौका लगाकर दिल्ली का खाता खोला। उन्होंने अकील हुसैन की फुलर लेंथ बॉल पर घुटने के बल बैठकर शानदार स्वीप खेलते हुए गेंद को डाइव लगाते फील्डर के पास से बैकवर्ड स्क्वेयर लेग बाउंड्री तक पहुंचा दिया।

आशुतोष शर्मा को रनआउट भी किया। दिल्ली के विकेटकीपर केएल राहुल ने उर्विल पटेल को स्टंप करके पवेलियन भेज दिया।

19वें ओवर में समीर रिजवी को जीवनदान मिला। जैमी ओवर्टन की फुल लेंथ गेंद पर रिजवी ने फ्लिक करने की कोशिश की, लेकिन बैट का टॉप एज लग गया। गेंद हवा में काफी ऊंची गई और बॉलर व मिड-ऑन के बीच गिर रही थी। ओवर्टन और रुतुराज गायकवाड़ दोनों ही कैच के लिए आए, लेकिन आपसी कन्फ्यूजन में कोई भी कैच नहीं ले पाया।

20वें ओवर में ऋतुराज गायकवाड के डायरेक्ट थ्रो पर आशुतोष शर्मा रनआउट हो गए। गेंद पिच पर लगकर उछली, जिस पर गेंदआज अंशुल कम्बोज ने हल्का-सा हाथ लगाया। गेंद गायकवाड़ के पास गई, जिन्होंने मिड-ऑन से सीधे बॉलर एंड पर डायरेक्ट हिट कर दिया। रिस्की रन लेने की कोशिश में आशुतोष क्रीज से बाहर रह गए और रन आउट हो गए। चेन्नई की पारी के छठे ओवर में आशुतोष शर्मा ने उर्विल पटेल का कैच ड्रॉप कर दिया। उर्विल ने गेंद को काफी ऊंचा मारा, लेकिन दूरी नहीं मिल पाई। डीप मिडविकेट से आशुतोष बाईं ओर भागते हुए लॉन्ग-ऑन की तरफ आए और डाइव भी लगाई। वे कैच तक नहीं पहुंच सके।

राणा का चौका, नूर ने अगली बॉल आउट किया

10वें ओवर की दूसरी बॉल पर नीतीश राणा ने नूर अहमद की बॉल पर चौका लगाया। अगली बॉल पर नूर ने राणा को कार्तिक शर्मा के हाथों कैच कराया और पवेलियन भेज दिया।

शॉर्ट गेंद पर राणा घुटने के बल बैठकर स्वीप खेलने गए। लेकिन शॉट हवा में चला गया और डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर कार्तिक शर्मा ने आसान कैच पकड़ लिया। राणा ने निराश होकर बल्ला हवा में उछाला और पवेलियन की ओर लौट पड़े। दूसरी ओर नूर अहमद, कार्तिक शर्मा सहित चेन्नई के खिलाड़ी जश्न मनाने लग गए।

नूर अहमद से स्टब्स का कैच छूटा

11वें ओवर की पहली बॉल पर नूर अहमद से ट्रिस्टन स्टब्स का कैच ड्रॉप हो गया। गुरजप-नीत सिंह की बॉल पर स्टब्स ने कवर में शॉर्ट खेला। नूर ने अपने दाईं ओर डाइव लगाई, लेकिन गेंद हाथ में नहीं टिक सकी। स्टब्स ने अप के साथ जोरदार ड्राइव खेला था, जो सीधे फील्डर के पास गया। आसान मौका होने के बावजूद कैच छूट गया और स्टब्स को जीवनदान मिल गया।

जब कैच ड्रॉप हुआ, तब स्टब्स एक रन पर खेल रहे थे।

राहुल का कैच लेने के बाद ऋतुराज ने बॉल को चूमा

छठे ओवर की पहली बॉल पर ऋतुराज गायकवाड ने अकिल हुसैन की बॉल पर केएल राहुल का कैच पकड़ा। उन्होंने कैच लेने के बाद बॉल को चूम लिया। दूसरी ओर गेंदबाज हुसैन ने राहुल के विकेट पर मास्क सेलिब्रेशन किया। ऑफ स्टंप के बाहर फ्लाइटेड गेंद पर राहुल आगे बढ़कर कवर के ऊपर शॉट खेलने गए। लेकिन, गेंद पिच पर रुक गई और टाइमिंग बिगड़ गई। गेंद हवा में चली गई, जहां रुतुराज गायकवाड़ ने आसान कैच लपक लिया। राहुल 12 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल में चेन्नई ने दिल्ली को आठ विकेट से हराया

सैमसन ने नाबाद अर्धशतक लगाया, कार्तिक ने 41 रन बनाए, नूर को 2 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL के मौजूदा सीजन में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने मंगलवार को खेले गए मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। अरुण जेटली मैदान पर दिल्ली ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। चेन्नई ने 156 रन का टारगेट 17.3 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया।

इस जीत के बाद चेन्नई के 10 मैचों में 10 पॉइंट्स हो गए हैं। वहीं, दिल्ली की यह 10 मैचों में छठी हार है। चेन्नई के लिए संजू सैमसन ने 52 गेंद पर नाबाद 87 रनों की पारी खेली। संजू ने इस सीजन में दूसरी फिफ्टी लगाई है। संजू की इस पारी में 7 चौके और 6 छक्के

शामिल रहे। सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। संजू के अलावा कार्तिक शर्मा ने नाबाद 41 रन बनाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए नाबाद 114 रन की पार्टनरशिप हुई। दिल्ली के लिए लुंगी एनगिडी और अक्षर पटेल को 1-1 विकेट मिला। दिल्ली के लिए समीर रिजवी ने नाबाद 40 रन की पारी खेली। उनके अलावा, ट्रिस्टन स्टब्स 38, पथुम निसांका 19, नीतीश राणा 15, आशुतोष शर्मा 14, करुण नायर 13 और केएल राहुल 12 रन बनाए। रिजवी और स्टब्स के बीच छठे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी हुई। चेन्नई की ओर से नूर अहमद ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

कार्तिक शर्मा ने चौका लगाते हुए चेन्नई को जीत दिला दी। नटराजन की शॉर्ट गेंद पर कार्तिक ने दमदार पुल शॉट खेला और गेंद सीधे बाउंड्री के पार पहुंच गई। 15वें ओवर में सैमसन ने नटराजन के ओवर में 19 रन बटोरे। उन्होंने ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाया। सैमसन शानदार लय में नजर आ रहे हैं और टीम जीत की ओर तेजी से बढ़ रही है।

विनेश फोगाट को डोपिंग एजेंसी का नोटिस

नई दिल्ली। 10 से 12 मई के बीच गोंडा में होने वाले सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट से पहले विनेश फोगाट को इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ITA) ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस डोपिंग टेस्ट के लिए तय समय और स्थान पर मौजूद नहीं रहने के कारण दिया गया है।

पिछले 12 महीनों में यह उनकी पहली ऐसी गलती है। हालांकि, इस चेतावनी का उनके आगामी टूर्नामेंट में भाग लेने पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन नियमों के अनुसार, अगर भविष्य में ऐसी दो और चूक होती हैं, तो उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

इंटरनेशनल टेस्टिंग एंजेसी के नोटिस के मुताबिक, मामला 18 दिसंबर 2025 का है। डोपिंग कंट्रोल ऑफिसर (DCO) विनेश फोगाट के बताए बेंगलुरु पते पर पहुंचे थे, लेकिन वे 60 मिनट के तय टाइम स्लॉट में वहां मौजूद नहीं थीं। नियम के अनुसार, 'रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल' में शामिल खिलाड़ियों को रोज एक घंटा ऐसा बताना होता है, जब वे बिना नोटिस टेस्ट के लिए उपलब्ध रहें।

सबालेंका बोलीं-इनामी राशि नहीं बढ़ी तो खिलाड़ी टूर्नामेंट छोड़ सकते हैं, रेवेन्यू में 22% हिस्सेदारी की मांग

खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन बायकॉट की चेतावनी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला वर्ल्ड नंबर-1आर्यना सबालेंका ने मंगलवार को कहा कि अगर फ्रेंच ओपन में प्राइज मनी नहीं बढ़ाई गई तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकते हैं। अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने भी इसका समर्थन किया। पुरुष वर्ग के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर और टॉप-10 के कई अन्य खिलाड़ियों ने भी इनामी राशि को लेकर नाराजगी जताई है।

सबालेंका का बयान ऐसे समय आया है, जब आयोजकों और खिलाड़ियों के बीच कमाई के बंटवारे को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस साल फ्रेंच ओपन की प्राइज मनी 9.5% बढ़कर 61.7 मिलियन यूरो (686 करोड़ रुपए) हो गई है,

वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका 2025 फ्रेंच ओपन में रनर-अप रहीं।

लेकिन खिलाड़ी इसे कम मानते हैं। खिलाड़ियों ने सोमवार को दावा किया कि टूर्नामेंट रेवेन्यू में उनकी हिस्सेदारी 2024 के 15.5% से घटकर 2026 तक 14.9% हो सकती है। खिलाड़ी रेवेन्यू में 22% हिस्सेदारी चाहते हैं, जो ATP और WTA के 1000 लेवल टूर्नामेंट्स के बराबर है। खिलाड़ी सिर्फ इनामी राशि ही नहीं, बल्कि चारों ग्रैंड स्लैम-औस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन चैंपियनशिप और यूएस ओपन से बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य सुविधाएं और पेंशन की भी मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट करोड़ों का मुनाफा कमाते हैं, लेकिन एथलीटों को उनके श्रम के अनुपात में लाभ नहीं मिलता। खिलाड़ियों के कड़े विरोध और साझा बयान पर फ्रेंच ओपन आयोजकों ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टेनिस में ऐसे मतभेद पहले भी हुए हैं, लेकिन महिला और पुरुष वर्ग के दोनों नंबर-1 खिलाड़ियों का साथ आना टूर्नामेंट की छवि पर असर डाल सकता है।

हमारे बिना टूर्नामेंट और मनोरंजन कुछ भी नहीं आर्यना सबालेंका

इटालियन ओपन के दौरान 28वां जन्मदिन मना रहीं आर्यना सबालेंका ने कहा, 'हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होगा और न ही कोई मनोरंजन। मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से रेवेन्यू का ज्यादा प्रतिशत पाने के हकदार हैं।'

उन्होंने कहा, 'एक समय ऐसा आएगा जब हम इसका बहिष्कार करेंगे। मुझे लगता है कि अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका बचा है।

मनोरंजन

पूजा हेगड़े ने की थी विजय की जीत की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। थलापति विजय इन दिनों तमिलनाडु चुनाव में अपनी बड़ी जीत को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो शेयर किया है। फिल्म 'जन नायकन' की शूटिंग के दौरान पूजा ने विजय की जीत की भविष्यवाणी की थी, जो अब सच साबित हो गई है। यह वीडियो फिल्म 'जन नायकन' के सेट का है। वीडियो में एक व्हाइटबोर्ड दिख रहा है, जिस पर लिखा है "चुनाव कौन जीतेगा?" । पूजा हेगड़े पहले बोर्ड पर लिखा यह सवाल दिखाती हैं और फिर धीरे से कैमरा पीछे खड़े विजय की ओर घुमा देती हैं। कैमरा देखते ही विजय शर्मा जाते हैं और हंसते हुए अपना चेहरा छिपा लेते हैं। 4 मई को आए चुनाव नतीजों में पहली बार चुनाव लड़ने वाली विजय की पार्टी TVK

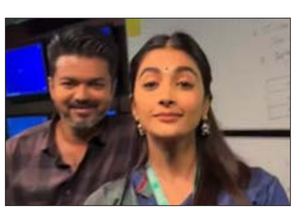

विजय के सामने व्हाइट बोर्ड पर बताया था कौन जीतेगा चुनाव बोलीं- सच हो गया सपना

ने 108 सीटें जीती हैं। बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। TVK को सरकार बनाने के लिए 10 सीटों की जरूरत है। इस पुराने वीडियो को शेयर करते हुए पूजा ने कैप्शन में लिखा, "शायद मैंने इसके होने से पहले ही यह कह दिया था? सपनों के हकीकत में बदलने के लिए बधाई, विजय सर।"

चुनाव नतीजों पर बोलीं- बुरा सपना खत्म हुआ, प्रदेश में अब नो रुम्बा तुम्बा, सिर्फ ढिंका चिका

ममता बनर्जी की हार पर देवोलीना का तंज

नई दिल्ली। 'साथ निभाना साथिया' में गोपी बहु के नाम से फेमस देवोलीना भट्टाचार्जी ने पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसा है। देवोलीना ने सोशल मीडिया पर खुशी जताई कि बंगाल में अब बदलाव आ गया है। बंगाल की रहने वाली एक्ट्रेस ने ममता बनर्जी की हार पर खुशी जताते हुए उन्हें प्रदेश के लिए एक 'बुरा सपना' बताया है। देवोलीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर साफ कहा कि वह किसी राजनेता से अगर सबसे ज्यादा नफरत करती हैं, तो वो ममता बनर्जी ही हैं। अपने पोस्ट में देवोलीना ने राहुल

गांधी का भी जिक्र किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, असल में मुझे लगता है कि आरजी एक अच्छे इंसान हैं और उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी कमाल का है, जो केंद्र सरकार के लिए हमेशा फायदेमंद साबित होता है। हालांकि, ममता बनर्जी के मामले में उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अब वह बंगाल की राजनीति में कभी नहीं दिखेंगी।

ममता को बताया सबसे नापसंद नेता

देवोलीना ने ट्विटर (X) पर लिखा कि बंगाल ने पिछले कई सालों में सबसे बुरा दौर देखा है। उन्होंने लिखा, अगर मैंने कभी किसी राजनेता से नफरत की है, तो वो यही हैं। आरजी (राहुल गांधी) और उनके गैंग से भी ज्यादा। एक्ट्रेस का मानना है कि बंगाल में बदलाव की सख्त जरूरत थी और अब जाकर जनता को राहत मिली है। उन्होंने ममता और उनकी टीम को सीधे 'टाटा' कह दिया।

> **देवोलीना ने अपने ट्वीट के आखिर में बंगाली भाषा का इस्तेमाल करते हुए लिखा कि अब बंगाल में कोई 'रुम्बा तुम्बा जुम्बा' नहीं चलेगा। उन्होंने लिखा, "पलटानो दरकर चिलो सो पालते गेइछे (बदलाव की जरूरत थी और वो हो गया)। अब बंगाल में सिर्फ ढिंका चिका, ढिंका चिका होगा।"**

बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'बंदर' अगले महीने सिनेमाघरों में आ रही

सनी देयोल के बाद बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने को तैयार बॉबी देओल

नई दिल्ली। बड़े भाई सनी देओल के बाद अब बॉबी देओल भी जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाने की तैयारी कर रहे हैं। बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'बंदर' अगले महीने सिनेमाघरों में आ रही है। पर्दे पर 'एनिमल' के खूंखार विलेन 'अबरार' और OTT पर 'बाबा निराला' जैसे धांसू किरदार निभाकर ऑडियंस का दिल जीतने के बाद, अब बॉबी अपनी अपकमिंग फिल्म 'बंदर' में एकदम अलग और डार्क किरदार में दिखाई देंगे। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म से एक्टर का एक नया पोस्टर जारी करते हुए बताया कि फिल्म का टीजर कब ऑडियंस के सामने आएगा। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी इस फिल्म से बॉबी देओल (Bobby Deol) का नया लुक बहुत ही शानदार है। 'सैफ्रॉन मैजिकवर्क्स' ने हाल ही में मूवी से अभिनेता का नया पोस्टर शेयर किया है,

जिसमें वह हाथों में गिटार पकड़े, शिमरी पैंट और शर्ट पहने एकदम डिस्को-डांसर लुक में दिखाई दे रहे हैं। इस क्राइम-थ्रिलर फिल्म में बॉबी देओल एक ऐसे टीवी एक्टर का किरदार अदा कर रहे हैं, जिस पर अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगता है। उनके इस नए लुक ने फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है।

> **बॉबी देओल के इस नए वाइब्रेंट लुक के साथ ही मेकर्स ने यह घोषणा कर दी है कि फिल्म 'बंदर' का टीज़र कल यानी 7 मई 2026 को यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा। यह टीजर सुबह 11 बजे के करीब ऑडियंस के सामने आ जाएगा। फिल्म की कहानी एक ऐसे डूबते सितारे की है जिस पर गंभीर आरोप लगा है। रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।**

'है जवानी तो इश्क होना है' से लेगी बॉक्स ऑफिस पर टक्कर

आपको बता दें कि 5 जून 2026 को बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' सिनेमाघरों में आ रही है, उसी दिन वरुण धवन और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इन दोनों के बीच बॉक्स ऑफिस पर सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा। इसके अलावा, साउथ सुपरस्टार राम चरण (Ram Charan) की मच-अवेटेड फिल्म 'पेड्डी' बॉबी की फिल्म 'बंदर' से ठीक एक दिन पहले यानी 4 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'टॉक्सिक' की फर्जी खबरों पर भड़कीं कियारा आडवाणी

नई दिल्ली। यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' की लीड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने सोशल मीडिया पर चल रहीं फर्जी खबरों पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल कई रिपोर्टस में दावा किया गया था कि कियारा ने यश के साथ अपने कुछ रोमांटिक और बोल्ड सीन्स को छोटा करने या हटाने की मांग की है।

यह भी दावा किया जा रहा था कि कियारा ने यश के साथ एक 'बोल्ड रोमांटिक सीक्वेंस' शूट किया था। फाइनल आउटपुट देखने के बाद कियारा असहज हो गईं और उन्होंने मेकर्स से इसे ट्रिम करने की रिक्वेस्ट की। अब कियारा ने सोशल मीडिया पर इसी तरह की पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा, "बिल्कुल बकवास"।

उन्होंने इस तरह की सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है।

गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में यश 'राया' और 'टिकट' नाम के दो अलग-अलग किरदारों (डबल रोल) में

नजर आएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी के किरदार का नाम 'नादिया' है। इस गैंगस्टर ड्रामा में नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में हैं।

रिलीज की बात करें तो 'टॉक्सिक' के दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। फिल्म पहले 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 2026 कर दिया गया। इसके बाद 19 मार्च 2026 की तारीख सामने आई, जिसे पश्चिम एशिया के हालातों और फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ क्लैश से बचने के लिए फिर टाल दिया गया।

कहा- रिश्ते मजबूत होंगे, ममता बनर्जी की वजह से तीस्ता नदी समझौता नहीं हो पाया

उत्साह : बंगाल में बीजेपी जीती तो बांग्लादेश में सत्ताधारी पार्टी खुश

भारत के लिए यह संतुलन का मामला है, क्योंकि उसे एक तरफ पड़ोसी देश के साथ रिश्ते संभालने होते हैं और दूसरी तरफ अपने राज्यों, जैसे पश्चिम बंगाल की जरूरतों का भी ध्यान रखना पड़ता है।

बयान

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी BNP ने पश्चिम बंगाल में BJP की जीत पर खुशी जताई है। न्यूज एजेंसी ANI से बात करते हुए BNP के सूचना सचिव अजीजुल बारी हेलाल ने BJP को जीत की बधाई दी और कहा कि इससे भारत-बांग्लादेश संबंध मजबूत हो सकते हैं।

उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर तीस्ता जल बंटवारे समझौते में देरी करने का आरोप लगाया और कहा कि वह इसमें सबसे बड़ी रुकावट थी। उन्होंने दावा किया कि यह समझौता बांग्लादेश सरकार और मोदी सरकार दोनों ही चाहते थे।

हेलाल ने उम्मीद जताई कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी सरकार भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को बेहतर बनाएगी और तीस्ता समझौते को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि भारत के राज्यों में बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा पश्चिम बंगाल की ही लगती है। इसलिए वहां की राजनीति का असर सीधे दोनों के संबंधों पर पड़ता है। वहां सत्ता बदलना दोनों देशों के लिए अच्छा है। इससे दोनों देशों के बीच सीमा मुद्दों पर भी सुधार हो सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार तीस्ता और फरक्का जल बंटवारे के समझौतों का विरोध करती रही हैं। उनके मुताबिक इसका सीधा असर राज्य के लोगों की आजीविका पर पड़ेगा।

लंबे समय से अटका है जल बंटवारा समझौता

1815 में नेपाल के राजा और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच तीस्ता नदी के पानी को लेकर समझौता हुआ था। तब राजा ने नदी के बड़े हिस्से का नियंत्रण अंग्रेजों को सौंप दिया। बांग्लादेश के आजाद होने के 12 साल बाद 1983 में दोनों देशों के बीच अंतरिम समझौता हुआ। इसमें बांग्लादेश को 36% और भारत को 39% पानी देने की बात थी, जबकि 25% हिस्से पर बाद में फैसला होना था। लेकिन यह समझौता भी पूरी तरह लागू नहीं हो पाया। बाद में बांग्लादेश ने कहना शुरू किया कि उसे जितना पानी मिल रहा है, वो उसकी जरूरत के हिसाब से कम है। सूखे में उसका इतने पानी से गुजारा नहीं हो पाता है।

तीस्ता नदी का 50% पानी चाहता है बांग्लादेश

तीस्ता नदी हिमालय के पाहुनरी ग्लेशियर से निकलती है। यह सिक्किम से पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश जाती है और बाद में ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। यह नदी कुल 414 किलोमीटर का रास्ता तय करती है। इस नदी से बांग्लादेश के 2 करोड़ और भारत के 1 करोड़ लोगों का जीवनयापन जुड़ा है।

इस लंबी यात्रा के दौरान तीस्ता नदी की 83% यात्रा भारत में और 17% यात्रा बांग्लादेश में होती है। भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कई सालों से विवाद है। बांग्लादेश तीस्ता के 50 फीसदी पानी पर अधिकार चाहता है। जबकि भारत खुद 55 फीसदी पानी चाहता है। जानकारों के मुताबिक अगर तीस्ता नदी जल समझौता होता है तो पश्चिम बंगाल नदी के पानी का मनमुताबिक इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। यही वजह है कि ममता बनर्जी इसे टालती रहीं।

सैमसंग-इलेक्ट्रॉनिक्स की मार्केट वैल्यू 1 ट्रिलियन डॉलर पार

ऐसा करने वाली एशिया की दूसरी कंपनी बनी

मुंबई, एजेंसी

साउथ कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की मार्केट वैल्यू 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 95.08 लाख करोड़ रुपए के पार हो गई है। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (AI) चिप्स की बढ़ती मांग के कारण दुनिया की इस सबसे बड़ी मेमोरी चिप मेकर कंपनी के शेयरों में पिछले एक साल में करीब 400% की तेजी आई है।

बुधवार को कारोबार के दौरान सैमसंग के शेयरों में 15% का उछाल आया है। इसके साथ ही ताइवान की TSMC के बाद सैमसंग यह मुकाम पाने वाली एशिया की दूसरी कंपनी बन गई है।

सैमसंग के शेयरों में आई इस तेजी का असर साउथ कोरिया के बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी (Kospi) पर भी दिखा, यह 7,400 के स्तर के ऊपर निकल गया। सैमसंग के साथ-साथ एसके हाइनिक्स (SK Hynix) और टीएसएमसी (TSMC) जैसी कंपनियां ग्लोबल AI इकोसिस्टम में एशिया को एक मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में दबदबा और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश ने निवेशकों को चिपमेकर्स की ओर आकर्षित किया है। इसी ट्रेंड की वजह से टेक्नोलॉजी स्टॉक्स में भारी रैली देखी जा रही है।

पिछले एक महीने में एसके हाइनिक्स के शेयरों में 81% से ज्यादा और टीएसएमसी में 21.77% की बढ़त दर्ज की गई है।

इससे पहले मार्च तिमाही में सैमसंग के सेमीकंडक्टर डिवीजन के मुनाफे में सालाना आधार पर 48 गुना की बड़ी ग्रोथ देखी गई थी।

गैर मुस्लिम देशों को सप्लाई, 50 साल पहले इस्लाम का हवाला देकर बैन किया था

कर्ज से परेशान पाकिस्तान ने शराब एक्सपोर्ट शुरू किया

इस्लामाबाद, एजेंसी

कर्ज से जूझ रहे पाकिस्तान ने 50 साल बाद फिर से दूसरे देशों को शराब बेचना शुरू कर दिया है। देश की इकलौती लोकल कंपनी मरी ब्रूअरी ने अप्रैल 2026 में ब्रिटेन, जापान, पुर्तगाल और थाईलैंड जैसे देशों को बीयर और अन्य अल्कोहलिक ड्रिंक्स एक्सपोर्ट की हैं। कंपनी के एक्सपोर्ट मैनेजर रमीज शाह के मुताबिक, अभी शुरुआत में विदेशों में नेटवर्क बनाया जा रहा है और आगे चलकर प्रोडक्शन बढ़ाने की योजना है।

पाकिस्तान में मुस्लिम आबादी के लिए करीब 50 साल पहले इस्लामिक नियमों का हवाला देकर शराब पर बैन लगाया गया था। इसके बाद शराब का एक्सपोर्ट भी बंद हो गया था। हालांकि, पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों के लिए कुछ छूट थी।

पाकिस्तान सरकार ने 2025 में शराब एक्सपोर्ट की अनुमति दी थी, जिसके बाद अब उन देशों में सप्लाई शुरू की गई जो ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन का हिस्सा नहीं हैं। पिछले कई सालों से मरी ब्रूअरी सिर्फ नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स का एक्सपोर्ट कर रही थी।

इसमें पैकेज्ड जूस, मिनरल वाटर और फ्रूट फ्लेवर वाली ड्रिंक्स शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कमाई 100 मिलियन डॉलर (28 अरब PKR) रही। कंपनी के CEO इस्फानयार भंडारा ने एक्सपोर्ट लाइसेंस के लिए कोशिश की थी। 2021 में पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में एक चीनी कंपनी को भी शराब बनाने की इजाजत दी थी, ताकि वहां काम कर रहे चीनी नागरिकों की जरूरतें पूरी हो सकें।

तेजी से डूब रहा उत्तरी अमेरिका का ये शहर

हर साल 10 इंच तक धंस रही जमीन

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े और आलिशान शहरों में शुमार मेक्सिको सिटी इतनी तेजी से धंस रही है कि यह परिवर्तन अंतरिक्ष से भी साफ दिखाई दे रहा है। नासा की सैटेलाइट NISAR की नई इमेजरी के मुताबिक, शहर के कुछ हिस्से हर साल औसतन 10 इंच (25 सेंटीमीटर) तक नीचे धंस रहे हैं। यानी हर महीने में 2 सेंटीमीटर की रफ्तार से जमीन बैठ रही है।

शहर की कुल आबादी 2 करोड़ 20 लाख से ज्यादा है और यह 3000 वर्ग मील क्षेत्र में फैला हुआ है। मुख्य एयरपोर्ट, स्वतंत्रता देवदूत स्मारक और मेट्रोपॉलिटन कैथेड्रल जैसी ऐतिहासिक इमारतें इस समस्या से बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। बिल्डिंग्स में झुकाव साफ नजर आ रहा है, जबकि कुछ इमारतों के आसपास जमीन धंसने से अतिरिक्त

सीढ़ियां लगानी पड़ रही हैं।

नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको के जियोफिजिक्स रिसर्चर एनरिक कैब्रल ने चेतावनी दी है कि यह बहुत बड़ी समस्या है। यह सबवे, ड्रेनेज सिस्टम, पानी की सप्लाई, आवास और सड़कों को नुकसान पहुंचा रही है। हम दुनिया में सबसे तेज लैंड सब्सिडेंस दर वाले इलाकों में से एक हैं।

मेक्सिको सिटी प्राचीन झील पर बसी हुई है। नरम मिट्टी प्राकृतिक रूप से सिकुड़ रही है, लेकिन असली वजह इंसान द्वारा की गई गतिविधियां हैं।

छोटे उद्योगों को 100 करोड़ तक का बिना गारंटी लोन

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम 5.0 को मंजूरी दे दी है। इसके जरिए छोटे उद्योग 100 करोड़ तक और एयरलाइन कंपनी 1500 करोड़ रुपए तक का लोन ले सकेंगी। यह लोन बिना किसी गारंटी के मिलेगा। इसके लिए सरकार नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड इस स्कीम के तहत बैंकों और वित्तीय संस्थानों को 100% तक की क्रेडिट गारंटी कवर देगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को मीटिंग के बाद बताया कि यह फैसला अमेरिका-ईरान के बीच चल रही जंग के कारण आए वित्तीय संकट से निपटने के लिए लिया गया है। इससे कंपनियों को बिजनेस को चालू रखने, नौकरियां बचाने और सप्लाई चेन मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह स्कीम 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगी।

'ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर'

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर यूएस विदेश मंत्री का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के बड़े सैन्य अभियान अब खत्म हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' अपने सभी लक्ष्य पूरे करने के बाद समाप्त कर दिया गया है।

हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह टकराव पूरी तरह खत्म हो गया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका किसी नए संघर्ष की स्थिति नहीं चाहता और शांति का रास्ता बेहतर मानता है।

लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि शांति के लिए ईरान को राष्ट्रपति

डोनल्ड ट्रंप की परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी मांगें माननी होंगी और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना होगा। रुबियो ने हाल के टकरावों को 'रक्षात्मक' बताया और कहा कि अमेरिका की कार्रवाई केवल अपने हितों की सुरक्षा के लिए है, हमला करने के लिए नहीं।

होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया में तेल और गैस सप्लाई के लिए बेहद अहम रास्ता है, इस समय तनाव का बड़ा कारण बना हुआ है। अमेरिका इस रास्ते को दोबारा खोलने की कोशिश कर रहा है ताकि फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित निकाला जा सके।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका शांतिपूर्ण तरीके से जहाजों को बाहर निकालना चाहता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर कार्रवाई के लिए तैयार है। अब तक केवल दो जहाज ही इस रास्ते से गुजर पाए हैं, जबकि कई जहाज अब भी खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं।

रुबियो ने बताया कि करीब 23 हजार नाविक इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं और उनकी स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाया कि वह इस रास्ते को रोककर दुनिया को नुकसान पहुंचा रहा है।

ईरान के शॉपिंग सेंटर में लगी भीषण आग

8 की मौत, 40 लोग घायल

घटना

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान की राजधानी तेहरान के पास एक शॉपिंग सेंटर में भीषण आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई और करीब 40 लोग घायल हो गए। यह जानकारी आपातकालीन सेवा विभाग ने दी है।

यह आग मंगलवार को तेहरान प्रांत के अंदिशेह शहर में स्थित अरघवन शॉपिंग सेंटर में लगी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और इसकी जांच की जा रही है। सरकारी टीवी के मुताबिक, संबंधित एजेंसियां आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हैं। टीवी फुटेज में देखा गया कि बहुमंजिला इमारत से काला धुआं तेजी से उठ रहा था और दमकल कर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे। आग इतनी भयानक थी कि पूरे इलाके में धुआं फैल गया, जिससे बचाव कार्य में भी मुश्किलें आईं। अधिकारियों ने साफ किया है कि इस आग का हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच हुए तनाव या युद्ध से कोई संबंध नहीं है। बताया जा रहा है कि दोनों देशों के बीच करीब तीन हफ्ते से संघर्ष-विराम लागू है और यह घटना उससे जुड़ी नहीं है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96